Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 306 | बुधवार, 11 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

श्रद्धा, अनुशासन और स्वच्छता का प्रतीक बनेगा गढ़मुक्तेश्वर व तिगरी मेला: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला-गढ़मुक्तेश्वर व तिगरी मेला के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की

वेलकम इंडिया नेटवर्क



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला गुढ़मुक्तेश्वर तथा तिगरी मेला की तैयारियों की मंगलवार को समीक्षा की। इस दौरान मेरठ, बरेली, अमरोहा, हापुड़, मुरादाबाद आदि मंडलों/जनपदों के प्रशासन व पुलिस विभाग के अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। मुख्यमंत्री ने समयबद्ध तैयारियों का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 'वेस्टर्न यूपी का मिनी कुम्भ' यह मेला श्रद्धा, अनुशासन व स्वच्छता का प्रतीक बनेगा। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, सुगम यातायात व स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम कर लें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 17 से 26 नवंबर तक लगने वाले इस मेले में 25 से 30 लाख श्रद्धालु शामिल होंगे। 24 नवंबर को मुख्य स्नान पर्व होगा। यहां आस्था, परंपरा व सुव्यवस्था का संगम होगा, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से कर ली जाएं। ऐसे में यहां सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल समेत सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग कतई न हो। मुख्यमंत्री ने शासन के गृह, लोकनिर्माण विभाग, परिवहन, सिंचाई, नगर विकास, ऊर्जा, पंचायती राज, स्वास्थ्य समेत संबंधित विभागों के अधिकारियों को मेला प्रारंभ से पहले निरीक्षण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि मेले के कमांड एरिया में शराब व नशे की वस्तुओं की बिक्री कतई न हो और न ही आस्था के विपरीत कोई आचरण हो। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि घाटों पर स्नान के लिए पर्याप्त सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। नदी को आवश्यक्तानुसार चैनलाइज किया जाए। हर घाट पर जल की उपलब्धता रहे। पर्याप्त स्वच्छता कर्मियों की तैनाती की जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि यहां सीएचसी स्तर के अस्थायी

- सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध, गंगा तटों पर होगी सफाई और कचरा संग्रह व्यवस्था: सीएम

हॉस्पिटल बनाए जाएं। पर्याप्त मैनपावर, एंबुलेंस समेत सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें। विद्युत की नियमित आपूर्ति व शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सुरक्षा के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीमें दोनों तरफ तैनात की जाएं। मेले से पहले एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी पुलिस बल की काउंसिलिंग कर लें। पुलिसकर्मी रील बनाने की प्रवृत्ति से दूर रहें। पब्लिक एड्रेस सिस्टम, वॉच टावर, फायर डेंटर, सीसीटीवी, यातायात-पार्किंग प्रबंधन, डायवर्जन आदि की समुचित व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि मेले में खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों को मंच दिया जाए। मंच पर सभ्य कार्यक्रम ही हों, आस्था के विपरीत कोई भी कार्यक्रम न हो। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर हर आयुवर्ग के विजेताओं को सम्मानित भी किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने पर्यटन-संस्कृति विभाग को निर्देशित किया कि मेले में श्रीमद्भागवत कथा, रासलीला, रामलीला, भगवान शिव से जुड़े आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए।

प्रधानमंत्री मोदी ने गोवर्धन पूजा की बधाई दी, सुख और समृद्धि की कामना की

वेलकम इंडिया नेटवर्क



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह, सुख और समृद्धि लेकर आएगा।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, 'सभी देशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं। यह पवित्र त्योहार आपके जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करे। मेरी कामना है कि सभी के जीवन में सुख, सौभाग्य और समृद्धि निरंतर बढ़ती रहे।' प्रधानमंत्री ने अपनी शुभकामनाओं के साथ भगवान कृष्ण का एक संस्कृत श्लोक भी साझा किया। इसमें भगवान कृष्ण के 'गोवर्धन-धारी' स्वरूप का स्मरण किया गया है-वह स्वरूप जिसमें उन्होंने ब्रजवासियों को मूसलाधार बारिश से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठा लिया था। 'अभीर-नगरी-प्राण-प्रियं सत्य-पराक्रमम, स्व-भृत्य-भय-भेत्तारं गोवर्धन-धरं भजे' - यह श्लोक भगवान कृष्ण का वर्णन करता है, जो ग्वाल-बालों के समुदाय के अत्यंत प्रिय हैं, सत्य और वीरता की साक्षात प्रतिमूर्ति हैं, और अपने भक्तों के भय को दूर करने वाले दिव्य रक्षक हैं। गोवर्धन पूजा, जिसे 'अन्नकूट' के नाम से भी जाना जाता है, देश के कई हिस्सों में पारंपरिक रूप से दिवाली के अगले दिन मनाई जाती है। यह त्योहार उस पौराणिक कथा की याद दिलाता है, जब भगवान कृष्ण ने वृंदावन के निवासियों और उनके पशुओं को भगवान इंद्र द्वारा भेजी गई मूसलाधार बारिश से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठा लिया था।

विधान सभा चुनावों की तैयारी में लगे पांच राज्यो में कर्मचारियों पर आदर्श आचार संहिता लागू करने के निर्देश

वेलकम इंडिया नेटवर्क



नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश, और उत्तराखंड सहित उन पांच राज्यों में सरकारी कर्मचारियों पर आदर्श आचार संहिता के प्रावधान कड़ाई से लागू करने के निर्देश दिये हैं जहां अगले साल के शुरू में विधान सभा चुनाव होने जा रहे हैं। ये निर्देश ऐसे व्यक्तियों पर भी उसी तरह लागू होंगे जो सेवा निवृत्त होने के बाद पुनः सरकारी काम में लगाये गये या नियुक्त किये गये हैं। आयोग ने इन राज्यों के प्रशासन और चुनाव तंत्र को आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन करने के निर्देश जारी करने और सरकारी तंत्र की निष्पक्षता बनाये रखने के अनुपालन पर बल दिया है।

गोवा, मणिपुर, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्य सचिवों और मुख्य निर्वाचन आधिकारियों (सीईओ) को आयोग के अवर सचिव अभिषेक तिवारी द्वारा भेजे गये पत्र में आदर्श चुनाव संहिता की अवधि के दौरान चुनाव के दौरान सरकारी कर्मचारियों और ऐसे सेवानिवृत्त अधिकारियों के आचरण की निष्पक्षता पर बल दिया है,जिन्हें पुनः सरकारी सेवा में लगाया या नियोजित किया गया है।

आयोग ने कहा है कि ऐसे अधिकारी किसी तरह के चुनाव अभियान या प्रचार में शामिल नहीं हो सकते है। वे किसी व्यक्ति, राजनीतिक दल या समूह का किसी दूसरे के विरुद्ध समर्थन करने के लिए अपने नाम या पद का प्रयोग नहीं कर सकते हैं। आयोग ने 6-11-1984 के पत्र संख्या 62/84 और 6-4-1991 के पत्र संख्या 62/91 को जारी पत्रों का उल्लेख करते हुए कहा है कि आदर्श चुनाव संहिता सभी संगठनों/समितियों, निगमों/आयोगों आदि पर लागू होगी जो सरकार और उनके कर्मचारियों के द्वारा आंशिक या पूर्ण रूप से वित्त पोषित हैं। संबंधित नियमों के अनुसार इन राज्यों में कोई भी सरकारी कर्मचारी राजनीतिक गतिविधियों या चुनाव में भाग नहीं ले सकता।

पत्र में कहा गया है आयोग एतद्वारा आदर्श आचार संहिता(एमसीसी) के दौरान सरकारी कर्मचारियों पर लागू प्रतिबंध और निषेध ऐसे लोगों पर भी समान रूप से लागू होंगे जो सेवा निवृत्ति के बाद सरकारी काम में लगाये गये हैं। आयोग ने इसकी सूचना सभी स्तर पर प्रेषित किये जाने और उसके अनुपालन के निर्देश दिये हैं।

पन्नू के मुकदमे में एनएसए अजीत डोभाल पर लगे आरोप मनगढ़ंत, भारत ने नकारा

वेलकम इंडिया नेटवर्क



नई दिल्ली। भारत ने खालिस्तानी अलगाववादी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से अमेरिका की एक अदालत में दायर दीवानी मुकदमे में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और रॉ के पूर्व प्रमुख सामंत गोयल के खिलाफ लगाए गए आरोपों को मंगलवार को 'मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण' बताते हुए खारिज कर दिया। भारत की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी विदेश विभाग के इस बयान के बाद आई है कि उसने मुकदमे के संबंध में अदालत की ओर से भारतीय अधिकारियों को जारी किए गए समन एक राजनयिक नोट के माध्यम से भारत सरकार को सौंप दिए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी नियमित प्रेस वार्ता के दौरान कहा, 'हम अपने उच्च अधिकारियों के विरुद्ध लगाये गये मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण आरोपों को खारिज करते हैं। हम बेबुनियाद मुकदमों को भी खारिज करते हैं। भारत में न्यायिक दस्तावेज तामील कराने का अनुरोध केवल भारत के अधिकृत केंद्रीय प्राधिकरण यानी विधि एवं न्याय मंत्रालय के माध्यम से ही भेजा जा सकता है।' अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि उसने नौ अक्टूबर को राजनयिक माध्यमों से वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास को समन भेजे थे। विभाग ने कहा, 'राजनयिक नोट पर 30 सितंबर 2026 को हस्ताक्षर किए गए थे और इसे नौ अक्टूबर 2026 को सौंपा गया था।' प्रतिबंधित समूह 'सिख्स फॉर जस्टिस' (एसएफजे) के कानूनी सलाहकार पन्नू ने अपनी हत्या की कथित साजिश को लेकर हजार्नें की मांग करते हुए मुकदमा दायर किया है। उसने भारतीय अधिकारियों पर उसकी हत्या की साजिश रचना का आरोप लगाया है। एसएफजे भारत में एक प्रतिबंधित संगठन है। पन्नू आतंकवाद से जुड़े कई आरोपों को लेकर भारत में वांछित है। अमेरिका के संघीय अभियोजकों ने नवंबर 2023 में भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर आरोप लगाया था कि उसने न्यूयॉर्क में पन्नू की हत्या की साजिश को अंजाम देने के लिए भारत सरकार के एक कर्मचारी के साथ मिलकर काम किया था। राजनयिक नोट में कहा गया है, 'विदेशी संप्रभु प्रतिरक्षा अधिनियम (एफएसआईए) के तहत जिला अदालत के इस अनुरोध को पूरा करने के मामले में विदेश विभाग के पास कोई विवेकाधिकार नहीं है।' इसमें कहा गया है कि समन भेजे जाने को किसी भी तरह से अमेरिका के इस रुख या विचार का संकेत नहीं माना जाना चाहिए कि एफएसआईए की सभी कानूनी आवश्यकताओं का वादियों ने ठीक से पालन किया है या नहीं, प्रतिवादी की स्थिति या कद क्या है, समन की तामील सही ढंग से हुई है या नहीं अथवा मुकदमे में लगाए गए आरोपों या बचाव में दी गई दलीलों में कितना दम है।

मोहन भागवत ने आरएसएस स्वयंसेवकों के समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की



नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि संगठन ने अपने स्वयंसेवकों के समर्पण, प्रतिबद्धता और निरंतर प्रयासों से 100 साल का सफर पूरा किया है, न कि किसी के संरक्षण या मदद से। श्री भागवत ने सोमवार को नागपुर में 'सिटिजन्स को-ऑपरेटिव बैंक' के मुख्यालय और सभागार के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए कहा कि व्यक्ति के विकास के जरिए राष्ट्र-निर्माण का संघ का काम अपनी शुरूआत से ही लगातार जारी है। स्वयंसेवक अपने समय का एक बड़ा हिस्सा संगठनात्मक कार्यों में लगाते हैं, जबकि जो लोग ऐसा नहीं कर पाते, वे अपने आचरण और जीवनशैली के जरिए समाज में एक सकारात्मक माहौल बनाकर योगदान देते हैं।

वायु प्रदूषण में 'विश्वगुरु' क्यों बन रहे हैं हम? खरगे ने मांगा मोदी से जवाब

वेलकम इंडिया नेटवर्क





नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता और दमघोंटू प्रदूषण को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से सवाल किया कि आखिर हम वायु प्रदूषण के मामले में 'विश्वगुरु' क्यों बनते जा रहे हैं? श्री खरगे ने आरोप लगाया है कि भाजपा सरकार के लिए प्रदूषण से निपटने के बजाय दिखावटी उपाय, जनसंपर्क के हथकंडे, अधूरे वादे और एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप ही शासन की पहचान बन गए हैं। श्री खरगे ने कहा कि पिछले वर्ष वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों के आसपास पानी के टैंकरों से छिड़काव किए जाने पर प्रदूषण के आंकड़ों को प्रभावित करने के आरोप लगे थे, जबकि इस साल प्रदूषण चरम पर पहुंचने के दौरान दिल्ली के 59 में से 36 निगरानी केंद्रों पर पीएम 2.5 के आंकड़े ही उपलब्ध नहीं हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 8 मई 2019 को वायु प्रदूषण को बड़ी चुनौती बताया था, लेकिन पिछले 12 वर्षों में इस समस्या के समाधान के लिए केवल बयानबाजी हुई है और कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के लोग भी स्वच्छ हवा के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से सवाल किया कि क्या वे देश को वायु प्रदूषण पर जवाब देने और 'हवा का हिसाब' देने का साहस दिखाएंगे? श्री खरगे ने प्रदूषण से जुड़े आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 2023 में दिल्ली में कणीय वायु प्रदूषण के कारण अनुमानित 17,188 लोगों की मौत हुई, जो कुल मौतों का लगभग 15 प्रतिशत है। वहीं, स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में भारत में पांच वर्ष से कम उम्र के 1,69,400 बच्चों की मौत वायु प्रदूषण से जुड़े कारणों से हुई। उन्होंने दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपलब्ध धनराशि के इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। श्री खरगे के मुताबिक, सितंबर 2026 में आरटीआई के जरिए सामने आई जानकारी के अनुसार, दिल्ली में पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के रूप में एकत्रित 1,154 करोड़ रुपये, यानी करीब 60 प्रतिशत राशि खर्च नहीं की गई। वहीं, दिसंबर 2025 तक राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत जारी धनराशि में से दिल्ली सरकार केवल 17 प्रतिशत का ही उपयोग कर पाई। श्री खरगे ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भाजपा शासित दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान सरकारों को प्रदूषण संकट से निपटने के लिए विस्तृत जवाब और प्रस्तावित उपाय पेश करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर साल अक्टूबर से फरवरी के बीच जहरीली धुंध छा जाती है, लेकिन सरकारों की ओर से वही पुराने आश्वासन और एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालने का सिलसिला जारी रहता है। कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपलब्ध धनराशि खर्च करने, उत्सर्जन में कमी लाने और नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग की।

हैदराबाद में 13-14 नवंबर को होगा 'भारत समिट'

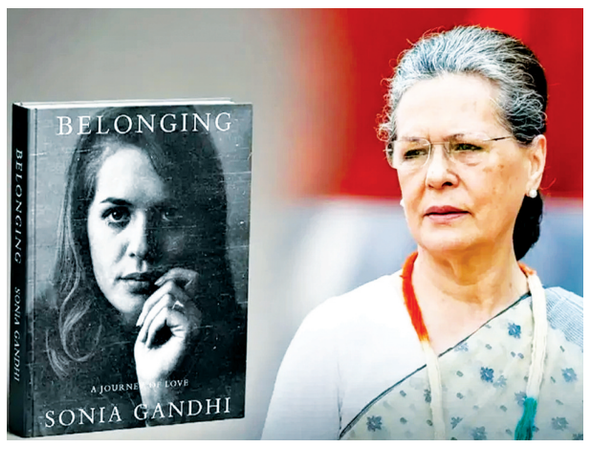


नई दिल्ली। कांग्रेस के विदेश मामलों के विभाग के अध्यक्ष सलमान खुर्शीद ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में 13 और 14 नवंबर को 'भारत समिट' का आयोजन किया जाएगा। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में दुनिया के 70 देशों से करीब 1,000 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि इनमें विभिन्न देशों के नीति-निमार्ता और दुनिया भर के प्रगतिशील आंदोलनों के प्रमुख नेता शामिल होंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और राज्य के मंत्री डी. श्रीधर बाबू भी मौजूद रहे। श्री खुर्शीद ने कहा कि इस सम्मेलन का उद्देश्य लोकसभा नेता विपक्ष राहुल गांधी की भारत और दुनिया के भविष्य को लेकर परिकल्पना, उभरती नई वैश्विक व्यवस्था और उसमें भारत की भूमिका पर विचार-विमर्श करना है। सम्मेलन में मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के साथ-साथ भविष्य की चुनौतियों पर भी चर्चा होगी।

सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग' जारी

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, पुस्तक प्रेम, साहस, संघर्ष की असाधारण कहानी

वेलकम इंडिया नेटवर्क



नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' पुस्तक का मंगलवार को विमोचन हुआ।

इस पुस्तक में श्रीमती गांधी ने अपने जीवन के विभिन्न पहलुओं, अनुभवों और राजनीतिक सफर के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपने संबंधों और मुलाकातों का भी जिक्र किया है।

श्रीमती गांधी की इस आत्मकथा की शुरूआत ऋग्वेद की पंक्तियों से होती है, जिनमें एकजुट होकर आगे बढ़ने, मिलकर बोलने और विचारों में सामंजस्य बनाए रखने का संदेश दिया गया है। इन पंक्तियों के माध्यम से एकता, सामूहिक उद्देश्य और आपसी सद्भाव का भाव व्यक्त किया गया है।

इस बीच, कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति एवं उद्योगपति रॉबर्ट वाड्रा ने श्रीमती गांधी की आत्मकथा पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें श्रीमती गांधी की असाधारण जीवन यात्रा पर बेहद गर्व है। उन्होंने कहा कि उनकी कहानी प्रेम, साहस, संघर्ष, धैर्य और अदम्य इच्छाशक्ति की एक असाधारण मिसाल है।

श्री वाड्रा ने कहा कि जीवन में तमाम कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करने के बावजूद श्रीमती गांधी आज भी पूरी गरिमा, आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास के साथ खड़ी हैं। उनकी जीवन यात्रा हर महिला के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

भारत के लिए श्रीमती गांधी ने जो कुछ किया और जिस प्रतिबद्धता के साथ अपना जीवन जिया, उसके पीछे प्रेम की भावना रही है। यह प्रेम उनके परिवार, मूल्यों और देश के प्रति रहा है।

श्री वाड्रा ने कहा कि पुस्तक में श्रीमती गांधी के जीवन, अनुभवों और विचारों को गहराई, समझदारी और ईमानदारी के साथ प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस पुस्तक को पढ़ें और सोनिया गांधी के अपने शब्दों, अनुभवों तथा जीवन यात्रा के आधार पर उनके व्यक्तित्व और योगदान के बारे में अपनी राय बनाएं।

संपादक की कलम

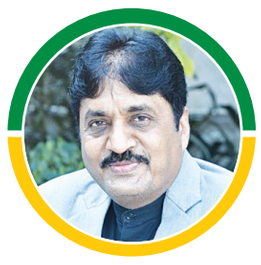
प्रतिबंध नहीं, सुरक्षित डिजिटल संसार की जरूरत



ललित शर्मा
संपादक

इक्कीसवीं सदी में इंटरनेट केवल मनोरंजन या संवाद का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि शिक्षा, सूचना, अभिव्यक्ति और सामाजिक सहभागिता का एक महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। विशेषकर बच्चों के लिए डिजिटल दुनिया ज्ञान के नए द्वार खोलती है। ऐसे समय में बच्चों को इंटरनेट से पूरी तरह वंचित करना उनके विकास के अवसरों को सीमित करने जैसा है। सर्वोच्च न्यायालय ने बच्चों की इंटरनेट तक पहुँच के अधिकार से जुड़े अपने दृष्टिकोण में स्पष्ट किया है कि सुरक्षा के नाम पर व्यापक और एकमुश्त प्रतिबंध उचित समाधान नहीं हो सकते। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अनुच्छेद 21 के तहत जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की व्यापक व्याख्या में डिजिटल पहुँच का महत्व भी सामने आता है। हालांकि, इस अधिकार का अर्थ यह नहीं है कि बच्चों को बिना किसी सुरक्षा व्यवस्था के इंटरनेट की खुली छूट दे दी जाए। बच्चों के शैक्षणिक विकास में इंटरनेट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज डिजिटल पुस्तकालय, ऑनलाइन कक्षाएँ, शैक्षणिक वीडियो, आभासी प्रयोगशालाएँ और विभिन्न शिक्षण मंच पारंपरिक शिक्षा के पूरक बन चुके हैं। केंद्र सरकार के दीक्षा (ऊ्ब्ब्रल्ळअ) मंच और पीएम ई-विद्या जैसी पहल ने डिजिटल शिक्षा को व्यापक बनाने में योगदान दिया है। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए इंटरनेट गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री तक पहुँच का माध्यम बन सकता है। जिन विद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक, पुस्तकालय या अन्य संसाधन उपलब्ध नहीं हैं, वहाँ डिजिटल माध्यम शिक्षा की कमियों को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं। इंटरनेट बच्चों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उनकी रचनात्मकता और स्वतंत्र चिंतन को भी प्रोत्साहित करता है। वे विज्ञान, साहित्य, इतिहास, पर्यावरण, कला और तकनीक जैसे विषयों पर अपनी रुचि के अनुसार जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। अपनी कविताएँ, कहानियाँ, चित्र और विचार साझा कर सकते हैं। इससे उनमें अभिव्यक्ति का आत्मविश्वास और संवाद की क्षमता विकसित होती है। सूचना का अधिकार भी इंटरनेट के माध्यम से अधिक प्रभावी बनता है। बच्चे अपने आसपास की सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं को समझकर जागरूक नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। डिजिटल पहुँच समावेशी शिक्षा के लिए भी आवश्यक है। दिव्यांग बच्चों के लिए स्क्रीन रीडर, ऑडियो पुस्तकें, सांकेतिक भाषा आधारित सामग्री और अन्य सहायक तकनीकें शिक्षा को अधिक सुलभ बनाती हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों को भी देश-दुनिया के शैक्षणिक संसाधनों से जुड़ने का अवसर मिलता है। इंटरनेट डिजिटल साक्षरता विकसित करता है, जो भविष्य के रोजगार और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल बन चुकी है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑनलाइन शोध, डिजिटल संचार और तकनीकी नवाचार के दौर में बच्चों को डिजिटल दुनिया से दूर रखना उनके भविष्य की संभावनाओं को कमजोर कर सकता है। हालाँकि, इंटरनेट के लाभों के साथ गंभीर चुनौतियाँ भी जुड़ी हैं। बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा आज अभिभावकों, शिक्षकों, सरकार और डिजिटल मंचों के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। ऑनलाइन यौन शोषण, बच्चों को बहला-फुसलाकर अनुचित गतिविधियों में शामिल करना, साइबर बुलिंग, अश्लील सामग्री, फर्जी पहचान और डिजिटल धोखाधड़ी जैसी घटनाएँ बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। कई बार बच्चे अनजान व्यक्तियों से संपर्क में आ जाते हैं और अपनी निजी जानकारी, तस्वीरें या स्थान संबंधी विवरण साझा कर देते हैं। इसका दुरुपयोग उनके मानसिक और सामाजिक जीवन पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।

भैया दूज: रिश्तों की मिठास से संस्कारों के संरक्षण तक



ललित गर्ग
लेखक



भारतीय संस्कृति में पर्व केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों को पुनर्जीवित करने के अवसर हैं। हर त्योहार के पीछे कोई न कोई सामाजिक, पारिवारिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा है। दीपावली के पंचपर्वों की श्रृंखला में आने वाला भैया दूज भी ऐसा ही आत्मीय पर्व है, जो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को स्नेह, विश्वास, सुरक्षा और कर्तव्य की डोर से बांधता है। यह पर्व मानो रिश्तों की सूखी धरती पर संवेदनाओं की फुहार है, जो मनुष्य को याद दिलाता है कि जीवन की सबसे बड़ी पूंजी धन नहीं, बल्कि अपनेपन का भाव है। भैया दूज कार्तिक शुक्ल द्वितीया को मनाया जाता है। बहन भाई के मस्तक पर तिलक लगाती है, आरती करती है, उसके सुख, स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगल की कामना करती है तथा भाई अपनी बहन के प्रति स्नेह और संरक्षण का संकल्प व्यक्त करता है। देखने में यह परंपरा जितनी सरल है, उसका भावार्थ उतना ही व्यापक है। यह केवल एक भाई और एक बहन का रिश्ता नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में परस्पर सम्मान, सहयोग, करुणा और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का सांस्कृतिक विधान है।

पौराणिक कथा में यमराज और यमुना का प्रसंग इस पर्व की आत्मा को उजागर करता है। यमुना ने अपने भाई यमराज को प्रेमपूर्वक अपने घर आमंत्रित किया। यमराज ने बहन के स्नेह को स्वीकार किया और उसके आतिथ्य से प्रसन्न होकर वरदान दिया। तभी से यह दिन यम द्वितीया के रूप में भी प्रतिष्ठित हुआ। कथा का वास्तविक संदेश चमत्कार में नहीं, रिश्ते निभाने की संवेदना में है। बहन का प्रेम और भाई का उत्तरदायित्व मिलकर उस विश्वास को जन्म देते हैं, जिसमें जीवन की कठिनाइयों के सामने मनुष्य अकेला नहीं पड़ता। हमारे पूर्वजों ने रिश्तों को केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं रखा था। उन्होंने उनमें कर्तव्य और मयार्दा का भाव जोड़ा। इसीलिए भैया दूज हमें यह सिखाता है कि बहन के प्रति भाई का दायित्व केवल उपहार देना नहीं, बल्कि उसके सम्मान, सुरक्षा और स्वाभिमान के प्रति सजग रहना है। इसी तरह बहन का स्नेह केवल तिलक तक सीमित नहीं, बल्कि भाई के जीवन में सद्भाव, संयम और सदाचार की कामना से जुड़ा है।

आज के बदलते सामाजिक परिवेश में इस संदेश की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। परिवार छोटे हो रहे हैं, जीवन की गति तेज हो रही है और डिजिटल दुनिया ने संवाद के अनेक रास्ते तो खोले हैं, लेकिन दिलों के बीच की दूरी कई बार बढ़ा दी है। रिश्ते कभी-कभी संदेशों और इमोजी तक सिमट जाते हैं। ऐसे समय में भैया दूज हमें रिश्तों को औपचारिकता नहीं, आत्मीयता से जीने की सीख देता है। दुर्भाग्य से पर्वों के साथ प्रदर्शन और बाजारवाद का प्रभाव भी बढ़ा है। महंगे उपहार, दिखावटी आयोजन और सामाजिक प्रतिस्पर्धा ने कई बार त्योहार की आत्मा को पीछे धकेल दिया है। 'चमक-दमक से दीप जल सकता है, लेकिन रिश्तों में उजाला प्रेम से ही आता है।' भैया दूज का अर्थ जेब की क्षमता नहीं, हृदय की समृद्धि है। बहन को कितना महंगा उपहार मिला, इससे अधिक महत्वपूर्ण यह है कि भाई ने उसकी बात कितनी सुनी, उसके सम्मान के लिए कितना खड़ा रहा और कठिन समय में उसका हाथ कितनी मजबूती से थामा। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अलग-अलग लोकपरंपराओं के साथ मनाया जाता है। कहीं इसे भाई दूज, कहीं भाई बीज और कहीं यम द्वितीया कहा जाता है। महाराष्ट्र, गुजरात, बिहार सहित अनेक क्षेत्रों की अपनी विशिष्ट रस्में हैं। इन विविधताओं में भारतीय संस्कृति की खूबसूरती दिखाई देती है। 'कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानी' वाली इस भूमि में परंपराएं भले बदल जाएं, लेकिन उनके मूल में छिपा प्रेम और आत्मीयता का भाव एक ही रहता है। भैया दूज का एक और व्यापक संदेश है-स्त्री के सम्मान का। यदि भाई बहन की रक्षा का संकल्प लेता है तो यह भावना समाज की प्रत्येक बेटी और प्रत्येक महिला के सम्मान तक विस्तार पाती है। बहन के प्रति सम्मान का अर्थ तभी सार्थक है, जब वही दृष्टि हम हर स्त्री के प्रति रखें। घर की बहन सुरक्षित हो और समाज की बेटी असुरक्षित-यह विरोधाभास हमारी संस्कृति की आत्मा के अनुकूल नहीं हो सकता। आज जब भारत विकसित भारत और विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब केवल आर्थिक विकास पर्याप्त नहीं है। सभ्यता की ऊंचाई इमारतों से नहीं, मनुष्यता की ऊंचाई से मापी जाती है। यदि परिवारों में संस्कार, समाज में संवेदना और जीवन में नैतिकता मजबूत होगी, तभी विकास स्थायी और सार्थक बनेगा। भैया दूज जैसे पर्व इसी सांस्कृतिक पूंजी को सुरक्षित रखने का माध्यम हैं। इस पर्व का संदेश सीमाओं पर देश की रक्षा करने वाले सैनिक भाइयों तक भी पहुंचना चाहिए। कितनी ही बहनें ऐसी हैं जिनके भाई त्योहार के दिन भी मातृभूमि की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। उनके लिए बहन की प्रार्थना और देशवासियों का सम्मान ही सबसे बड़ा तिलक है। वास्तव में भैया दूज का प्रेम तभी व्यापक होगा, जब वह अपने भाई से आगे बढ़कर हर उस व्यक्ति के प्रति संवेदना बने जो परिवार, समाज और राष्ट्र की रक्षा में अपना जीवन समर्पित कर रहा है।

भारतीय संस्कृति ने नारी को केवल संरक्षण की वस्तु नहीं माना। हमारे यहां 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः' की भावना रही है। गार्गी और मैत्रेयी जैसी विदुषियों ने ज्ञान की परंपरा में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई। रानी लक्ष्मीबाई ने रणभूमि में अद्भुत शौर्य का परिचय दिया। अहिल्याबाई होल्कर ने शासन और लोककल्याण का आदर्श स्थापित किया। सावित्रीबाई फुले ने स्त्री-शिक्षा की मशाल जलाई। आधुनिक भारत में कल्पना चावला से लेकर अनेक महिला वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष यात्रियों तक ने यह सिद्ध किया कि प्रतिभा का कोई लिंग नहीं होता। इसलिए बहन-भाई से जुड़े भैया दूज पर्व को अतीत की स्मृति और वर्तमान की चेतना के बीच एक सेतु बनाना होगा। हमारी संस्कृति का संरक्षण तभी सार्थक है जब वह जीवन को आगे बढ़ाए, उसे पीछे न खींचे। परंपरा वह नहीं जो केवल दोहराई जाए, परंपरा वह है जो समय के साथ नए अर्थ पैदा करे। भैया दूज का आध्यात्मिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। संसार में सबसे बड़ी असुरक्षा बाहरी नहीं, भीतर की है। भय, क्रोध, लोभ, अहंकार, ईर्ष्या और द्वेष मनुष्य की आत्मिक शांति को कमजोर करते हैं। जैन दर्शन की दृष्टि से देखें तो वास्तविक सुरक्षा बाहरी कवच से नहीं, आत्मसंयम और आत्मजागरण से होती है। जब मनुष्य अपने भीतर के विकारों से स्वयं की रक्षा करना सीख जाता है, तभी वह दूसरों के लिए भी सुरक्षा और शांति का माध्यम बनता है। इस दृष्टि से भैया दूज का ऐतिहासिक पर्व भाई-बहन के पवित्र एवं पावन रिश्ते को एक नया विश्वास एवं सौहार्द का शिखर देने का पर्व है।

भैया दूज हमें अंततः यही सिखाता है कि रिश्ते मांगने से नहीं, निभाने से मजबूत होते हैं। प्रेम बांटने से घटता नहीं, बढ़ता है, विश्वास देने से टूटता नहीं, गहरा होता है। इसलिए इस बार भैया दूज पर केवल तिलक और मिठाई की रस्म पूरी न करें, बल्कि एक-दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और संवेदना का संकल्प लें। जब रिश्तों में स्वार्थ की जगह समर्पण, औपचारिकता की जगह आत्मीयता और प्रदर्शन की जगह संस्कार होंगे, तभी भैया दूज वास्तव में सार्थक होगा। दीपावली के दीपों के बीच यह पर्व हमें यही संदेश देता है-घर का उजाला बिजली से नहीं, रिश्तों की गर्माहट से होता है और जिस समाज के रिश्ते जीवंत हों, उसकी संस्कृति कभी अंधकार में नहीं जा सकती।

अमेरिका-इजराइल में युद्ध और हिंसा का विरोध, डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू की पराजय



संजीव ठाकुर
लेखक



आज के समय में दुनिया भर की राजनीति एक बहुत ही महत्वपूर्ण दौर से गुजर रही है। पिछले कुछ सालों में यह बात बहुत साफ हो गई है कि जब-जब देश के नेता अपनी कुर्सी बचाने के लिए युद्ध, लड़ाई-झगड़े, सैन्य ताकत और समाज में नफरत फैलाने का रास्ता चुनते हैं, तब-तब वहां की आम जनता चुप नहीं बैठती। लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि जब शासक बेलगाम हो जाते हैं, तो जनता अपनी वोट की ताकत से उन्हें सही रास्ता दिखा देती है। दुनिया के दो सबसे प्रभावशाली और सामरिक रूप से जुड़े देशों–संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्राइल–में यह बात पिछले कुछ चुनावों में बिल्कुल शीशे की तरह साफ हो चुकी है।

इन दोनों देशों में लंबे समय तक ऐसे नेताओं का दबदबा रहा जिन्होंने शांति और संवाद के बजाय आक्रामकता, ध्रुवीकरण और युद्ध को अपनी राजनीतिक ताकत बनाया। लेकिन वहां के आम नागरिकों, युवाओं, और समझदार वर्ग ने यह साबित कर दिया कि हिंसा की राजनीति का अंत तय है। आइए विस्तार से जानते हैं कि कैसे अमेरिका और इस्राइल की जनता ने मतपेटी के जरिए युद्ध की नीतियों को खारिज किया।

इस्राइल के राजनीतिक इतिहास में बेंजामिन नेतन्याहू का नाम सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने वाले नेता के रूप में दर्ज है। एक समय ऐसा था जब उन्हें इस्राइल की राजनीति में हराना असंभव सा माना जाता था। उनकी छवि एक ऐसे नेता की थी जो देश की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। लेकिन गाजा, लेबनान और पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में लंबे समय से चला आ रहा अंतहीन युद्ध, लगातार बढ़ता तनाव और देश के भीतर सुरक्षा की बड़ी चूक ने इस्राइल की तस्वीर को पूरी तरह बदल कर रख दिया।

इस्राइल में हाल ही में हुए चुनावों के नतीजे इस बात गवाह हैं कि वहां की जनता अब युद्ध से तंग आ चुकी है। चुनावों में नेतन्याहू के दक्षिणपंथी और कट्टरपंथी गठबंधन को बहुत बुरी हार का सामना करना पड़ा। युद्ध और गहरे सुरक्षा संकटों के बीच नेतन्याहू की पार्टी की सीटें इतनी नीचे गिर गईं कि वे संसद (कनेसेत) में सरकार बनाने के लिए जरूरी बहुमत का जादुई आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। इससे यह साफ हो गया कि संसद में उनके विरोधी अब मजबूत स्थिति में आ गए हैं और जनता ने नेतन्याहू की नीतियों को नकार दिया है।

सड़कों पर उतरा जनसैलाब और न्यायपालिका की लड़ाई

केवल चुनावों में ही नहीं, बल्कि इस्राइल की सड़कों पर भी इतिहास का सबसे बड़ा जनसैलाब उमड़ा। लाखों की संख्या में आम लोग, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग अपने घरों से बाहर निकले और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए। जनता यह समझ चुकी थी कि यह युद्ध अब देश की सुरक्षा के लिए नहीं लड़ा जा रहा है, बल्कि यह सिर्फ कुछ नेताओं की राजनीतिक कुर्सी और उनके व्यक्तिगत अस्तित्व को बचाने का जरिया बन चुका है। इसके अलावा, देश की न्यायपालिका को कमजोर करने वाले कानूनों ने आग में घी का काम किया। इस्राइल के आम नागरिकों ने यह दिखा दिया कि वे अपनी आजादी और लोकतांत्रिक व्यवस्था से समझौता नहीं करेंगे।

दूसरी तरफ, महाशक्ति अमेरिका में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान अमेरिकी समाज में जो दूरियां बढ़ीं, नस्लीय तनाव पैदा हुआ, और देश के भीतर जो हिंसा की घटनाएं हुईं, उन्होंने अमेरिकी लोकतंत्र को हिलाकर रख दिया। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की साख और शांति के मोर्चे पर भी कई सवाल खड़े हुए।

अमेरिकी चुनावों विशेषकर 2020 और उसके बाद के चुनावी चक्रों में यह बात बहुत साफ होकर सामने आई कि जब-जब देश में नफरत, डर और हिंसा का माहौल बनाया गया, तब-तब अमेरिकी जनता ने रिकॉर्ड संख्या में घरों से निकलकर मतदान किया। उदाहरण के लिए, 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में अमेरिकी इतिहास का सबसे ज्यादा मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया। आठ करोड़ से अधिक लोगों ने वोट डालकर यह बता दिया कि वे ट्रंप की बांटने वाली राजनीति और हिंसा के अप्रत्यक्ष समर्थन के सख्त खिलाफ हैं। यह एक तरह से सीधा जन-रेफरेंडम था, जिसमें जनता ने यह तय कर लिया कि उन्हें ऐसा देश चाहिए जहां कानून का राज हो, न कि भीड़तंत्र या हिंसा का बोलबाला हो।

अमेरिका के आम मतदाताओं, विशेष रूप से वहां की युवा पीढ़ी और मध्यम वर्ग ने युद्ध और अशांति के माहौल को सिरे से नकार दिया। उन्होंने ऐसे राजनीतिक दलों और नेताओं का समर्थन किया जो दुनिया भर में लड़ाइयों को बढ़ावा देने के बजाय आपसी बातचीत, कूटनीति, मानवाधिकार और देश के भीतर भाईचारे की बात करते हों। अमेरिकी जनता ने यह साबित कर दिया कि दुनिया का सबसे ताकतवर देश होने का मतलब यह नहीं है कि वह दूसरों पर धौंस जमाए, बल्कि असली ताकत देश के भीतर शांति और न्याय बनाए रखने में है इन दोनों देशों के उदाहरण हमारे सामने एक बहुत बड़ा संदेश रखते हैं। जब-जब शासक वर्ग यह सोचने लगता है कि वह जनता को डराकर, युद्ध के नाम पर भावनाएं भड़काकर और हिंसा का सहारा लेकर हमेशा राज करता रहेगा, तब-तब लोकतंत्र की असली ताकत बाहर आती है।

सैन्य ताकत और लड़ाई से कुछ समय के लिए भले ही राजनीतिक फायदा मिल जाए, लेकिन यह देश या समाज को आगे नहीं बढ़ा सकता। संकट के समय भी आम नागरिक यह बहुत अच्छी तरह समझते हैं कि उनके और उनके बच्चों के भविष्य के लिए शांति, शिक्षा, स्वास्थ्य और भाईचारा कितना जरूरी है।

अब यही कहा जा सकता है कि अमेरिका और इस्राइल की इन घटनाओं ने पूरी दुनिया को यह बता दिया है कि युद्ध और हिंसा की कितनी भी बड़ी पटकथा क्यों न लिखी जाए, आखिरी जीत हमेशा जनता के शांतिकामी और जागरूक फैसले की ही होती है।

सब है परम पिता की संतान



उदय कशोर साह

कविता

सागर के सीने में जब उठ जायेगा तुफान ।
पागल लहरों में मिट जायेगा जन की उद्यान ।।
बिखर जायेगा हनक की झूठा। अभिमान ।
जिसने पाल रखा है मन में बड़ी बड़ी गुमान ।।

गुरूर का अन्त लिख दी है वो बैठा भगवान ।
फिर भी नासमझ घमंड क्यूं दिखाता इन्सान ।।
सब है यहाँ बराबर ,सबके लिये है ये जहान ।
फिर भी अपनी जागीर समझ बैठा है शैतान ।।

नीचे है ये जमीं , उपर है नीला अनन्त आसमान ।
दौलत की तराजू पे छोटा मत तौल रे धनवान ।।
धन दौलत है जग में चन्द दिनों की मेहमान ।
कद्र करो मानव की रे समझदार कद्रदान ।।

जाति पाँति की रेखा मानव ने की है निर्माण ।
रब ने बनाया है एक ही ,जाति जो है इन्सान ।।
किसी को छोटा बड़ा मत समझो नादान ।
दो गज ही जमीन नसीब में है देखो कब्रिस्तान ।।

प्रेम ही बनाता है मानव को जग में ही महान ।
इन्सानियत को ही मिलता है यहाँ पे सम्मान ।।
इज्जत देकर इज्जत पाना है यहाँ मान ।
सब जीव जन्तु है उस परम पिता की संतान ।।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर , दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया । संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

जिन्होंने हमें पाला, आज वे सहारे के लिए तरसते हैं: बुढ़ापे का दर्द और बदलते रिश्ते



डॉ विजय गर्ग
लेखक



मानव जीवन का सबसे संवेदनशील चरण बुढ़ापा होता है। बचपन में माता-पिता बच्चों की उंगली पकड़कर उन्हें चलना सिखाते हैं, उनकी छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखते हैं और अपनी खुशियों का त्याग करके उनका भविष्य संवारते हैं। लेकिन जब वही माता-पिता बुढ़ापे में सहारे, प्यार और अपनेपन की उम्मीद करते हैं, तो कई बार उन्हें अकेलेपन और उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। यह हमारे समाज की एक ऐसी वास्तविकता है, जिस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

माता-पिता का प्यार दुनिया के सबसे निस्वार्थ रिश्तों में से एक है। वे अपने बच्चों की खुशी के लिए अपनी इच्छाओं को पीछे छोड़ देते हैं। बच्चे की बीमारी के समय माँ रात-रात भर जागती है और पिता अपनी मेहनत की कमाई उसकी पढ़ाई, परवरिश और भविष्य पर खर्च कर देता है। वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा, संस्कार और जीवन में सफलता दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं। उनकी सबसे बड़ी खुशी यही होती है कि उनके बच्चे खुशहाल और सफल जीवन व्यतीत करें।

लेकिन समय के साथ पारिवारिक व्यवस्था में बड़े बदलाव आए हैं। संयुक्त परिवारों की जगह छोटे परिवारों ने ले ली है। नौकरी, व्यवसाय, विदेशों में बसने और निजी जीवन की जिम्मेदारियों के कारण अनेक बच्चे अपने माता-पिता से दूर रहने लगे हैं। दूरी अपने आप में कोई गलती नहीं है, क्योंकि रोजगार और बेहतर भविष्य के लिए घर से दूर जाना कई बार आवश्यक होता है। समस्या तब पैदा होती है, जब दूरी के साथ भावनात्मक जुड़ाव और जिम्मेदारी भी समाप्त होने लगती है।

आज अनेक बुजुर्ग अपने ही घरों में अकेले जीवन बिता रहे हैं। उनके पास रहने के लिए घर, खाने के लिए भोजन और दवाइयाँ खरीदने के लिए पैसे तो हो सकते हैं, लेकिन बातचीत करने के लिए कोई अपना नहीं होता। उन्हें महँगे उपहारों से अधिक बच्चों के कुछ प्यार भरे शब्दों और थोड़े-से समय की आवश्यकता होती है। कई बार वे केवल इस प्रतीक्षा में रहते हैं कि कोई उनके पास बैठे, उनकी पुरानी बातें सुने और उनका हालचाल पूछे।

वृद्धाश्रमों की बढ़ती आवश्यकता भी हमारे सामने अनेक सामाजिक प्रश्न खड़े करती है। यह मानना उचित नहीं होगा कि प्रत्येक बुजुर्ग बच्चों की उपेक्षा के कारण ही वृद्धाश्रम में रहता है। कुछ बुजुर्ग अपनी इच्छा से, सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं या अकेलेपन से बचने के लिए भी ऐसी संस्थाओं का चुनाव करते हैं। कई बार बच्चे विदेशों में रहते हैं या पारिवारिक परिस्थितियाँ ऐसी होती हैं कि घर पर बुजुर्गों की देखभाल संभव नहीं रहती। लेकिन जब माता-पिता को जानबूझकर अनदेखा किया जाता है या उन्हें बोझ समझा जाता है, तो यह अत्यंत दुखद स्थिति होती है।

बुढ़ापे में शारीरिक कमजोरी के साथ-साथ भावनात्मक सहारे की आवश्यकता भी बढ़ जाती है। उम्र बढ़ने के साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ, याददाश्त की कमजोरी, सुनने और देखने में कठिनाई तथा चलने-फिरने में परेशानी हो सकती है। ऐसे समय में बुजुर्गों को धैर्य, सम्मान और सहयोग की आवश्यकता होती है। उनकी बार-बार पूछी जाने वाली बातों या पुरानी यादों को बेकार समझने के बजाय उनके साथ प्रेमपूर्ण व्यवहार करना चाहिए।

इस समस्या का एक अन्य पहलू यह है कि कई बार बुजुर्गों को परिवार के निर्णयों में शामिल नहीं किया जाता। उनके अनुभवों और विचारों को पुरानी सोच कहकर नकार दिया जाता है। जब वे अपने ही घर में महत्वहीन महसूस करने लगते हैं, तो उनका आत्मविश्वास और जीवन के प्रति उत्साह कम हो सकता है। बुजुर्गों को केवल देखभाल की वस्तु नहीं, बल्कि परिवार के सम्मानित और अनुभवी सदस्य के रूप में देखा जाना चाहिए।

इस समस्या का समाधान केवल बच्चों को दोषी ठहराने से नहीं हो सकता। परिवारों में आपसी समझ, संवाद और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना आवश्यक है। बच्चों को छोटी उम्र से ही बुजुर्गों का सम्मान करना सिखाया जाना चाहिए। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, पारिवारिक मूल्यों और पीढ़ियों के बीच आपसी जुड़ाव को प्रोत्साहित करना चाहिए। सामाजिक संस्थाओं और सरकार को भी बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं, सुरक्षा, मनोरंजन और सहायता की योजनाओं को मजबूत करना चाहिए।

बच्चों को यह समझना चाहिए कि माता-पिता की सेवा केवल पैसे भेजने या दवाइयों की व्यवस्था करने तक सीमित नहीं है। उनसे बातचीत करना, उनकी भावनाओं को समझना, समय-समय पर उनसे मिलना और उन्हें परिवार का महत्वपूर्ण हिस्सा महसूस करवाना भी बहुत जरूरी है। यदि बच्चे दूर रहते हैं, तो नियमित फोन कॉल, वीडियो कॉल और मिलने की योजना के माध्यम से भी अपना प्यार और जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

हमें यह भी याद रखना चाहिए कि आज के बच्चे कल के बुजुर्ग होंगे। यदि हम अपने माता-पिता के साथ सम्मान और प्रेम से व्यवहार करेंगे, तो आने वाली पीढ़ी के सामने भी एक अच्छी मिसाल प्रस्तुत करेंगे। परिवार केवल एक साथ रहने का नाम नहीं है, बल्कि एक-दूसरे की भावनाओं, आवश्यकताओं और कठिनाइयों को समझने का नाम है।

अंत में, हमें स्वयं से एक प्रश्न पूछना चाहिए: जिन माता-पिता ने हमारी उंगली पकड़कर हमें चलना सिखाया, क्या बुढ़ापे में उनका हाथ थामना हमारी जिम्मेदारी नहीं है? माता-पिता को बुढ़ापे में सबसे अधिक आवश्यकता महँगे उपहारों या बड़े घरों की नहीं, बल्कि प्यार, सम्मान, समय और अपनेपन की होती है। उनकी आँखों में प्रतीक्षा की जगह मुस्कान लाना ही सच्ची मानवता है। जिस घर में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वहाँ संस्कार जीवित रहते हैं। माता-पिता की सेवा कोई एहसान नहीं, बल्कि मानवीय कर्तव्य और हमारे जीवन की सबसे बड़ी नैतिक जिम्मेदारी है।

गढ़ गंगा मेले की तैयारियों का एडीजी-डीआईजी ने लिया जायजा

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह





हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक गढ़ गंगा कार्तिक पूर्णिमा मेला-2026 को सकुशल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को एडीजी, डीआईजी, जिलाधिकारी कविता मीना (आईएएस), पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने मेला स्थल का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने गंगा घाटों से लेकर श्रद्धालुओं के आवागमन, ठहरने, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने गंगा घाटों, स्नान स्थलों, पार्किंग व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, पेयजल आपूर्ति, अस्थायी शौचालयों, प्रकाश व्यवस्था, चिकित्सा शिविरों तथा साफ-सफाई की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से अब तक की गई तैयारियों की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि मेले से संबंधित सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरे किए जाएं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने और सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन भानु भास्कर और पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले के दौरान लगातार भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था पर निगरानी रखें। भीड़ नियंत्रण, घाटों पर सुरक्षा और यातायात संचालन के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। गंगा घाटों पर गोताखोरों, नावों और बचाव दल की उपलब्धता बनाए रखने के साथ किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक टीमें तैयार रहें। इस वर्ष गढ़ गंगा कार्तिक पूर्णिमा मेले का विस्तार हापुड़ से आगे अमरोहा और मेरठ की सीमा तक हुआ है। मेले में लगभग 15 घाट तैयार किए गए हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए अतिरिक्त घाट बनाने की भी व्यवस्था रखी गई है। गंगा तट पर आरती स्थल के पास लगभग 15 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित करने की भी तैयारी की गई है। मेला क्षेत्र में अस्थायी पुलिस लाइन तैयार की गई है तथा निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों, वॉच टावरों और ड्रोन का उपयोग किया जाएगा। करीब 30 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा प्रबंध किए जा रहे हैं।

15 नवंबर से पुलिस संभालेगी मेले की पूरी कमान

मेले में श्रद्धालुओं का आगमन 10 नवंबर से शुरू हो गया है। पुलिसकर्मियों की आमद 13 नवंबर से शुरू होने की तैयारी है, जबकि 15 नवंबर से पुलिस मेले की सुरक्षा व्यवस्था की पूरी कमान संभालेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी 10 नवंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गढ़मुक्तेश्वर और तिगरी मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेले में एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर रोक सुनिश्चित करने और सभी विभागों को आपसी समन्वय से काम करने को कहा। गढ़ गंगा कार्तिक पूर्णिमा मेला धार्मिक आस्था, परंपरा और संस्कृति का महत्वपूर्ण आयोजन है। यहां पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अलावा दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा स्नान और धार्मिक अनुष्ठान के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में प्रशासन का प्रयास है कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित वातावरण, सुगम आवागमन और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मेले के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

20 करोड़ रुपये बकाया मिलने तक सिम्भावली और ब्रजनाथपुर चीनी मिलों को गन्ना नहीं देंगे किसान: भाकियू (अराजनैतिक)



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। ग्राम भगवानपुर में प्रधान ओमवीर के आवास पर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की किसान पंचायत आयोजित की गई। पंचायत में किसानों ने सिम्भावली और ब्रजनाथपुर चीनी मिलों पर बकाया गन्ना भुगतान को लेकर बड़ा फैसला लिया।पंचायत की अध्यक्षता ज्ञानेश्वर ने की तथा संचालन गौरव चौधरी ने किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष चौधरी पवन हूण गुर्जर ने कहा कि सिम्भावली और ब्रजनाथपुर चीनी मिलों पर किसानों का करीब 120 करोड़ रुपये गन्ना भुगतान बकाया है। जब तक बकाया भुगतान और नए पेराई सत्र के भुगतान को लेकर लिखित आश्वासन नहीं दिया जाता, तब तक किसान मिलों को गन्ना नहीं देंगे।उन्होंने कहा कि बिना भुगतान की गारंटी के गन्ने की पर्चियां जारी करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। यदि किसानों के साथ धोखा हुआ तो संबंधित अधिकारियों का घेराव किया जाएगा। पंचायत में गोपाल, अमित, विकास, नेपाल, उदय सिंह, रतनपाल, राहुल, गुरजीत, नवीन, निखिल, संदीप, राजेन्द्र, बिलेन्द्र, सोनू और कमल सिंह सहित अनेक किसान मौजूद रहे।

कुंडा मे धीरेन्द्र शास्त्री की कथा का मामला: सपा सांसद एस पी पटेल को गोपाल भैया का करारा जवाब

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। कुंडा विधायक एवं जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह राजा भैया के बेंती राजभवन में 17 से 20 नवंबर तक प्रस्तावित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री की कथा को लेकर जिले की सियासत गरमा गई है। धार्मिक आयोजन शुरू होने से पहले ही इसको लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। सपा सांसद डॉ. एसपी सिंह पटेल के बयान ने विवाद को नया राजनीतिक रंग दे दिया है, वहीं कथा के सह संयोजक एमएलसी कुंवर अक्षय प्रताप सिंह गोपाल जी ने सांसद के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

सपा सांसद डॉ. एसपी सिंह पटेल ने राजा भैया को सलाह दी है कि उन्हें कथा के लिए धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को आमंत्रित नहीं करना चाहिए। सांसद ने उन्हें विवादित कथा व्यास बताते हुए कहा कि वह आए दिन मंच से सनातन के विरोध में बयानबाजी करते रहते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी ईश्वर, कथा और भागवत में आस्था है, लेकिन सनातन के विरोध में बयान देने वाले कथाकारों का वह विरोध करेंगे।

लोकसभा चुनाव के सहयोग पर उठे सवाल

सांसद के इस बयान के बाद जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में नाराजगी की चर्चा तेज हो गई है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव के दौरान जनसत्ता दल के कार्यकर्ताओं ने डॉ. एसपी सिंह पटेल के समर्थन में पूरी ताकत झोंकी थी। पार्टी के पदाधिकारियों और समर्थकों ने चुनाव प्रचार में सक्रिय भूमिका निभाई थी। ऐसे में अब जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भैया के निजी धार्मिक आयोजन को लेकर सांसद की सार्वजनिक टिप्पणी से राजनीतिक असहजता पैदा होना स्वाभाविक माना जा रहा है। जनसत्ता दल के समर्थकों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि जिस चुनाव में सहयोग और समर्थन के जरिए राजनीतिक रिश्तों को मजबूती मिली, अब उन्हीं सहयोगियों के शीर्ष नेतृत्व के धार्मिक आयोजन पर इस तरह की टिप्पणी क्या राजनीतिक संबंधों में दूरी बढ़ाएगी? हालांकि इस मामले में राजनीतिक प्रतिक्रियाओं और बयानबाजी के बीच आगे की स्थिति पर सबकी नजरें टिकी हैं।

उधर, सांसद के बयान पर कथा के सह संयोजक एवं एमएलसी कुंवर अक्षय प्रताप सिंह गोपाल जी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जो लोग धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री और कथा का विरोध करने की बात कर रहे हैं, वे अल्पज्ञानी हैं। धीरेन्द्र शास्त्री सनातन के प्रकाश पुंज हैं। उन्होंने भगवान राम और श्रीकृष्ण को लेकर जो बातें कही हैं, वे सही हैं। बड़े-बड़े संत, महात्मा और योगी भी उनके कथनों को सही बताते हैं। अक्षय प्रताप सिंह ने आगे कहा कि विरोध की बातें वही लोग कर रहे हैं, जिन्हें सनातन की पूरी जानकारी नहीं है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जो लोग नए-नए सनातनी बन रहे हैं, वे मथुरा-वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर निर्माण की घोषणा क्यों नहीं कर रहे हैं?

कथा से पहले सियासी पारा चढ़ा

बेंती राजभवन में प्रस्तावित कथा अब केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि इसके बहाने प्रतापगढ़ की राजनीति में नए समीकरणों और पुराने राजनीतिक रिश्तों की चर्चा भी शुरू हो गई है। एक तरफ सपा सांसद का विरोध और दूसरी तरफ जनसत्ता दल के नेताओं का समर्थन, दोनों ने राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। अब देखना यह होगा कि 17 नवंबर से शुरू होने वाले इस धार्मिक आयोजन से पहले बयानबाजी और तेज होती है या राजनीतिक दलों के नेता इस विवाद को यहीं विराम देते हैं। फिलहाल राजा भैया की प्रस्तावित कथा को लेकर प्रतापगढ़ की सियासत में हलचल जारी है।

भैया दूज पर बाजारों में उमड़ी भीड़, नारियल-मिठाइयों की जमकर हुई खरीदारी

वेलकम इंडिया संवाददाता



हापुड़। भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह का प्रतीक भैया दूज पर्व को लेकर मंगलवार को शहर के बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। त्योहार की तैयारियों के बीच सुबह से ही बाजारों में खरीदारों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। बहनों ने भाइयों के तिलक और पूजन के लिए सूखे नारियल, मिठाइयों, फल और पूजा सामग्री की जमकर खरीदारी की। वहीं भाइयों ने भी अपनी बहनों को उपहार देने के लिए कपड़े, आभूषण, सौंदर्य प्रसाधन और अन्य घरेलू सामान खरीदे। पूरे दिन बाजारों में चहल-पहल बनी रही और दुकानदारों के चेहरे पर भी अच्छी बिक्री को लेकर उत्साह दिखाई दिया। शहर के रेलवे रोड, गोल मार्केट, कोठी गेट, चंडी रोड, पुराना बाजार और सराफा बाजार सहित प्रमुख बाजारों में दिनभर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। खासतौर पर मिठाई, सूखे नारियल और पूजा सामग्री की दुकानों पर अधिक भीड़ दिखाई दी। भैया दूज के अवसर पर बहनें अपने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करती हैं। इसी परंपरा के चलते महिलाओं ने पूजा की थाली सजाने के लिए आटे का दीपक, रोली, केसर, नारियल, बताशे, मिठाई, फल, सात पान और चंदन सहित अन्य पूजन सामग्री खरीदी। बाजारों में सजी रंग-बिरंगी पूजा की थालियां और आकर्षक उपहारों ने भी ग्राहकों का ध्यान खींचा।

त्योहार के चलते मिठाई और बेकरी की दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी भीड़ रही। लोगों ने अपने भाइयों और परिवार के सदस्यों के लिए लड्डू, बर्फी, पेड़ा, रसगुल्ला, काजू कतली सहित विभिन्न प्रकार की मिठाइयां खरीदीं। कई लोगों ने रिश्तेदारों और परिचितों के घर मिठाई पहुंचाने के लिए विशेष पैकिंग भी कराई। दुकानदारों ने भी त्योहार को देखते हुए विभिन्न प्रकार की मिठाइयों और आकर्षक पैकिंग की व्यवस्था की थी। बाजारों में उपहारों की दुकानों पर भी खरीदारी का सिलसिला जारी रहा।

इस बार सूखे नारियल के दामों में बढ़ोतरी ने ग्राहकों को थोड़ा निराश किया। पिछले कुछ दिनों में नारियल गोले की कीमत 400 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 460 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। कीमतों में आई इस बढ़ोतरी के बावजूद त्योहार की परंपरा को निभाने के लिए लोगों ने नारियल की खरीदारी की। दुकानदार राजेंद्र पंसारी ने बताया कि इस बार नारियल की फसल कम होने के कारण बाजार में इसकी कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। भैया दूज के चलते सूखे नारियल की मांग बनी हुई है और ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार खरीदारी कर रहे हैं। वहीं, रेलवे रोड स्थित जैन स्वीट्स के संचालक अनुज जैन ने बताया कि भैया दूज को लेकर मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की अच्छी भीड़ रही। लोग अपनी पसंद और बजट के अनुसार विभिन्न प्रकार की मिठाइयां खरीद रहे हैं। त्योहार के अवसर पर परिवार के साथ-साथ रिश्तेदारों और परिचितों के लिए भी मिठाई के डिब्बे खरीदे जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पर्व के चलते मिठाई की बिक्री में अच्छी तेजी देखने को मिली।

भैया दूज को लेकर महिलाओं और युवतियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई बहनें अपने भाइयों के घर जाने की तैयारी में लगी रहीं, तो कई भाइयों ने अपनी बहनों को घर बुलाकर पर्व मनाने की तैयारी की। बाजारों में खरीदारी के साथ-साथ परिवहन के साधनों पर भी लोगों की आवाजाही बढ़ी रही। दुकानदारों के अनुसार दीपावली के बाद भैया दूज के पर्व ने बाजारों में एक बार फिर रौनक बढ़ा दी। पूरे शहर में त्योहार का उल्लास दिखाई दिया और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को समर्पित इस पर्व को मनाने के लिए लोगों में खास उत्साह बना रहा।

हत्या के प्रयास के आरोपी रोहित पाण्डेय को रानीगंज पुलिस ने तमचा कारतूस संग किया गिरफ्तार

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत रानीगंज पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे वांछित अभियुक्त रोहित पांडेय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध तमंचा और कारतूस भी बरामद करने का दावा किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी आलोक कुमार एवं क्षेत्राधिकारी रानीगंज आईपीएस प्रशांत राज हुड्डा के मार्गदर्शन में अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी निरीक्षक अवन कुमार दीक्षित के नेतृत्व में रानीगंज पुलिस की टीम ने वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए सक्रियता दिखाई। थाना प्रभारी के निर्देश पर उपनिरीक्षक एवं कस्बा चौकी प्रभारी अंकित श्रीवास्तव ने पुलिस टीम के साथ थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव के पास घेराबंदी की। इस दौरान हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे रोहित पांडेय को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त के पास से घटना में प्रयुक्त अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किए गए हैं। इस कार्रवाई को अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। रानीगंज पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अपराधियों के बीच पुलिस का दबाव बढ़ने की चर्चा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए वांछित एवं फरार अभियुक्तों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

सिंभावली शुगर मिल का पेराई सत्र शुरू न होने से किसानों की बढ़ी चिंता

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। जनपद हापुड़ के अंतर्गत आने वाली सिंभावली शुगर मिल का पेराई सत्र 2026-27 अभी तक शुरू नहीं होने से क्षेत्र के गन्ना किसानों की चिंताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। मिल का संचालन समय पर शुरू नहीं होने के कारण किसानों के सामने अगली फसल गेहूं की बुआई प्रभावित होने का संकट खड़ा हो गया है। खेतों में गन्ने की फसल पूरी तरह तैयार खड़ी है, लेकिन किसानों को अभी तक गन्ना आपूर्ति शुरू होने का इंतजार है।क्षेत्र के किसानों का कहना है कि प्रशासन इस गंभीर समस्या पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे रहा है। किसानों के मुताबिक, आसपास के दूरदराज के गांवों के किसानों को अन्य चीनी मिलों के क्रय केंद्र आवंटित हो चुके हैं और वहां गन्ने की तौल भी शुरू हो गई है, जबकि सिंभावली शुगर मिल के गेट क्षेत्र के किसान अभी तक तौल शुरू होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। किसानों ने शासन-प्रशासन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि किसान हितों को ध्यान में रखते हुए सिंभावली शुगर मिल के गेट क्षेत्र के किसानों की समस्या का जल्द समाधान कराया जाए। मिल में पेराई सत्र शुरू कराकर गन्ने की तौल शीघ्र प्रारंभ कराई जाए, ताकि किसान समय से अपना गन्ना मिल को आपूर्ति कर सकें और गेहूं की बुआई भी निर्धारित समय पर कर सकें।

जर्जर सड़क और जलभराव से परेशान इंद्रगढ़ी के लोग, विधायक से लगाई गुहार

वेलकम इंडिया संवाददाता



हापुड़। शहर के मोहल्ला इंद्रगढ़ी में लंबे समय से बदहाल पड़ी सड़क और जलभराव की समस्या से परेशान स्थानीय लोगों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। आए दिन की परेशानियों से जूझ रहे मोहल्लेवासियों ने मंगलवार को सदर विधायक विजयपाल आढ़ती के आवास पर पहुंचकर अपनी समस्या रखी और जल्द से जल्द सड़क का निर्माण कराने की मांग की। लोगों का कहना है कि लंबे समय से गली की सड़क जर्जर हालत में है और जगह-जगह गड्ढे होने के साथ जलभराव की स्थिति बनी रहती है। इसके चलते मोहल्ले के लोगों को रोजाना आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्ला निवासी मोहित, अंकित, सोनू और विमलेश ने विधायक को बताया कि सड़क की हालत काफी समय से खराब है। गली में पानी भरा रहने के कारण लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। दोपहिया वाहन चालकों को विशेष परेशानी होती है, जबकि पैदल चलने वाले लोगों को भी पानी और कीचड़ के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। कई बार लोग असंतुलित होकर गिरने से चोटिल होने की आशंका के बीच रास्ता पार करते हैं। बारिश होने पर हालात और अधिक खराब हो जाते हैं तथा जलभराव के कारण सड़क का उपयोग करना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस समस्या का सबसे अधिक असर बुजुर्गों, महिलाओं और छोटे बच्चों पर पड़ रहा है। स्कूली बच्चों को प्रतिदिन इसी रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। सड़क पर पानी भरा होने के कारण बच्चों के कपड़े और जूते खराब हो जाते हैं। वहीं, बुजुर्गों को फिसलने और गिरने का खतरा बना रहता है। किसी बीमार व्यक्ति को घर से बाहर ले जाने या आपात स्थिति में वाहन मोहल्ले तक पहुंचाने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि सड़क की बदहाली को लेकर कई बार संबंधित स्तर पर शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। लगातार जलभराव रहने से गंदगी और दुर्गंध की समस्या भी पैदा हो रही है। इससे मच्छरों के पनपने और संक्रामक बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते जलनिकासी और सड़क निर्माण की व्यवस्था नहीं की गई तो आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ सकती है।

विधायक विजयपाल आढ़ती के समक्ष अपनी समस्या रखते हुए लोगों ने मांग की कि मोहल्ले की सड़क का जल्द निर्माण कराया जाए और जलभराव से निजात दिलाने के लिए उचित जलनिकासी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि केवल अस्थायी रूप से पानी निकलवाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि सड़क निर्माण के साथ नाली और पानी की निकासी की व्यवस्था को भी दुरुस्त करना जरूरी है। मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही उनकी समस्या का समाधान नहीं कराया गया तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। लोगों ने जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कर समस्या की वास्तविक स्थिति देखी जाए और प्राथमिकता के आधार पर निर्माण कार्य शुरू कराया जाए।

गूगल-पे से ठगी के शिकार पीड़ित को हापुड़ देहात पुलिस ने वापस कराए 60 हजार रुपये



वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह

हापुड़। जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हापुड़ देहात की साइबर सेल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन ठगी के शिकार एक पीड़ित को राहत दिलाई है। गूगल-पे के माध्यम से धोखाधड़ी कर पीड़ित के खाते से निकाली गई 60 हजार रुपये की धनराशि साइबर सेल ने शत-प्रतिशत वापस करा दी। पूरी रकम वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस की कार्रवाई पर संतोष जताया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार की गई। थाना प्रभारी पारस मलिक के नेतृत्व में साइबर सेल ने तत्परता दिखाते हुए पीड़ित की पूरी धनराशि वापस कराने में सफलता प्राप्त की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया देवभूमि सिल्वर जुबली पार्कों का लोकार्पण

36 करोड़ रुपये से अधिक की सात विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास, चार जिलों के नौ शहरी निकायों को मिली पार्कों की सौगात









वेलकम इंडिया संवाददाता

ऋषिकेश। उत्तराखंड के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर प्रदेश में विकास, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को नई गति देने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को ऋषिकेश में कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने चंद्रेश्वर नगर में आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान देवभूमि सिल्वर जुबली पार्कों का लोकार्पण कर उन्हें जनता को समर्पित किया। इसके साथ ही देहरादून जनपद में 36 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली सात विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। शहरी क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से आठ कचरा संग्रहण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य उत्तराखंड के प्रत्येक शहर और प्रत्येक वार्ड तक विकास की रोशनी पहुंचाना है, ताकि आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। मुख्यमंत्री ने देहरादून, हरिद्वार, ऊधम सिंह नगर और उत्तरकाशी जनपदों के नौ शहरी निकायों में तैयार किए गए देवभूमि सिल्वर जुबली पार्कों को जनता को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के रजत जयंती वर्ष में सरकार ने संकल्प लिया था कि राज्य स्थापना के 25 वर्ष केवल समारोहों और आयोजनों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि इन वर्षों की उपलब्धियां विकास कार्यों के रूप में धरातल पर भी दिखाई देंगी। इसी उद्देश्य से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सिल्वर जुबली पार्क विकसित करने की योजना बनाई गई। इन पार्कों के माध्यम से शहरों को स्वच्छ, सुंदर, हरा-भरा और नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने का प्रयास किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन स्थानों पर पहले कूड़े के ढेर, गंदगी और झाड़ियां दिखाई देती थीं, आज वहां व्यवस्थित और आकर्षक सार्वजनिक स्थल विकसित किए जा रहे हैं। देवभूमि सिल्वर जुबली पार्कों में बच्चों के खेलने, बुजुर्गों के टहलने, महिलाओं के बैठने तथा युवाओं के योग और व्यायाम के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इन पार्कों की विशेषता यह भी है कि इनमें उत्तराखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और स्थानीय पेड़-पौधों को स्थान दिया गया है, जिससे नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और प्राकृतिक धरोहर से जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने नगर निकायों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि पार्कों के निर्माण के बाद उनके नियमित रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए तथा स्थानीय नागरिकों को भी इस कार्य से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार शहरी विकास को केवल सड़कों और भवनों के निर्माण तक सीमित नहीं मानती, बल्कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, पेयजल, सीवरेज और नागरिक सुविधाओं को भी विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा मानती है।

हत्या के प्रयास के मामले में 10-10 हजार रूपये के दो इनामी आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। थाना मेंहदावल पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में लंबे समय से वांछित चल रहे 10-10 हजार रुपये के दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को बिसौवा बाजार के पास से गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्वदवन सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अंकुश सिंह उर्फ अंकुर पुत्र श्यामसुंदर सिंह उर्फ पप्पू सिंह तथा इंद्रजीत सिंह पुत्र अनिरुद्ध सिंह निवासी कुडवा, थाना मेंहदावल, जनपद संतकबीरनगर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 27 मई 2026 को अवधेश पुत्र केसर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनके भाई के साथ धारदार हथियार से मारपीट की थी। इस मामले में थाना मेंहदावल पर मुकदमा अपराध संख्या 217/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। मामले में दोनों आरोपी फरार चल रहे थे और उनकी गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में उपनिरीक्षक अनिल कुमार मिश्रा, कांस्टेबल अमेरिका प्रसाद, लालजी गौड़, मनीष कुमार और रामबाबू साहू शामिल रहे।

शादी का झांसा देकर युवती को भगाने और दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मिशन शक्ति अभियान 6.0 के तहत महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान में थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने युवती को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थाना कोतवाली खलीलाबाद के उपनिरीक्षक नन्दू गौतम, कांस्टेबल मुकेश कुमार और हेड कांस्टेबल दीपचन्द्र राजभर की टीम ने मंगलवार को कांटे चौराहे के पास से वांछित अभियुक्त किशन कुमार उर्फ शिवम पुत्र महेन्द्र कुमार चौहान निवासी जिगिना, थाना कोतवाली खलीलाबाद, जनपद संतकबीरनगर को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में पीड़िता की मां ने 8 नवंबर 2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि उनकी पुत्री को शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगा ले जाया गया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 1009/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 87 और 137(2) में अभियोग पंजीकृत किया था। मामले में आरोपी की तलाश की जा रही थी।

गोवर्धन पूजा पर अन्नकूट भंडारे में उमड़े श्रद्धालु, 36 प्रकार की सब्जियों से तैयार किया गया प्रसाद

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी



कांधला। गोवर्धन पूजा के अवसर पर मंगलवार को श्री रामलीला कमेटी कांधला पंजीकृत, कैलाशचंद्र गुट की ओर से सिद्धपीठ माता शाकुंभरी देवी मंदिर भवन में भव्य अन्नकूट भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीगणेश, माता शाकुंभरी देवी और भगवान श्रीकृष्ण की आरती तथा कन्या पूजन के साथ हुआ।कार्यक्रम में दिव्यांग सलाहकार बोर्ड के सदस्य कुशांक चौहान, विधायक प्रसन्न चौधरी, पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल, श्रीकृष्ण जन्मभूमि के प्रबंधक ठाकुर अभिषेक सोम और भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत जैन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।इस दौरान माता शाकुंभरी पीठाधीश्वर ब्रह्मचारी आशुतोष महाराज ने आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने सनातन धर्म के लिए सराहनीय कार्य किया है। भगवान श्रीकृष्ण का बांके बिहारी स्वरूप उनकी टेढ़ी मुद्रा और दिव्य लीलाओं को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि वह श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुख्य वादी हैं और सनातन धर्म के लिए संघर्ष कर रहे हैं।भंडारे की खासियत रही कि कमेटी के सदस्यों ने स्वयं सेवा भाव से देसी घी का हलवा, कढ़ी-चावल और 36 प्रकार की सब्जियों से अन्नकूट प्रसाद तैयार किया। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में विनीत शर्मा,सुधीर सैनी, तनुज कुमार, विनित शर्मा, प्रदीप सिंघल, आकाश सिंघल, अनिल मित्तल, अंकुर सोम और दिनेश राणा सहित अनेक लोगों का सहयोग रहा।

डिप्टी सीएम के दौरे से पहले खाकी का पहरा सख्त, सुरक्षा में चूक की गुंजाइश नहीं!



वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के प्रस्तावित दौरे से पहले जिले का पुलिस महकमा पूरी तरह अलर्ट हो गया है। वीवीआईपी आगमन को लेकर सुरक्षा का ऐसा खाका तैयार किया जा रहा है कि परिंदा भी पर न मार सके। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ सुरक्षा तैयारियों की गहन समीक्षा की। एसपी ने हेलीपैड, सेफ हाउस, चिकित्सालय, निर्धारित रूट और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से पड़ताल की। उन्होंने अधिकारियों को वीवीआईपी सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने, पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी तैयारियां समय से पूरी करने को कहा। एसपी ने दो टूक कहा कि सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें।

500 ग्राम चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

ऑपरेशन सवेरा के तहत पुलिस की कार्रवाई, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। जनपद को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा के तहत पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 500 ग्राम अवैध चरस बरामद की है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जेल भेज दिया है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक सुमित शुक्ला के नेतृत्व में पुलिस ने अभियान के तहत कार्रवाई की। इस दौरान पुलिस टीम ने आफताब पुत्र सलीम निवासी मोहल्ला नई बस्ती, सलेमपुर रोड, मक्का मस्जिद के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 500 ग्राम चरस बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपी के मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े आगे और पीछे के नेटवर्क की भी जांच कर रही है।कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक ओंकारनाथ पांडेय और कांस्टेबल सूर्यप्रताप शामिल रहे। पुलिस ने आमजन से नशे के खिलाफ अभियान में सहयोग करने और जनपद को नशामुक्त बनाने की अपील की है।

पड़ोसी ने पुत्र के साथ मिलकर की मारपीट, घायल ने की कार्यवाही की मांग

कांधला। थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी और उसके पुत्र पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने घायल का चिकित्सकीय परीक्षण कराने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।मंगलवार को थाना क्षेत्र के कस्बा एलम निवासी जोगेंद्र कुमार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पड़ोस में रहने वाला एक व्यक्ति शराब के नशे में उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि इस दौरान आरोपी के पुत्र ने भी अपने पिता का साथ देते हुए उसके साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया है।

डिवाइडर पर चढ़ी अनियंत्रित कार, चालक सुरक्षित बचा



कांधला (वेलकम इंडिया)। कस्बे के रेलवे मार्ग स्थित बड़ी नहर पटरी पर मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क के बीच बने डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि चालक गनीमत रही कि सुरक्षित बच गया। मंगलवार को रेलवे मार्ग स्थित बड़ी नहर पटरी पर वाहनों और राहगीरों की आवाजाही के बीच एक कार गुजर रही थी। इसी दौरान अचानक चालक का संतुलन बिगड़ गया और कार अनियंत्रित होकर सड़क के बीच बने डिवाइडर पर जा चढ़ी। कार के डिवाइडर पर चढ़ते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। हादसे में कार को काफी नुकसान पहुंचा, हालांकि चालक को कोई गंभीर चोट नहीं आई।सभासद अनिल मेंबर ने बताया कि सड़क पर भीड़ अधिक होने के कारण अचानक कार चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे यह हादसा हुआ। गनीमत रही कि अनियंत्रित कार किसी राहगीर या अन्य वाहन से नहीं टकराई। यदि ऐसा होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

सड़क पर गाड़ी हटाने को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, पांच लोग घायल





वेलकम इंडिया/ मोहसिन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव मल्हीपुर में सड़क पर खड़ी गाड़ी हटाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। दोनों पक्षों के लोगों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले, जिसमें दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद घायलों ने थाने पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।मंगलवार को गांव मल्हीपुर निवासी फरमान ने बताया कि गांव का ही अकबर सड़क पर गाड़ी खड़ी करता है। वह अपनी भैंसा बुग्गी लेकर खेत पर जा रहा था। आरोप है कि उसने अकबर से सड़क पर खड़ी गाड़ी हटाने के लिए कहा तो दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई।संघर्ष में फरमान पक्ष के मोहब्बत पुत्र शाहनजर, इब्राहिम, फरमान, वसीला पत्नी शाहनजर और अयूब पुत्र इस्माइल घायल हो गए। वहीं अकबर पक्ष के भी कई लोगों को चोटें आई हैं।सभी ने अपना डाक्टरी परिक्षण कराने के बाद थाने पर तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है। पुलिस ने जांच कर कार्यवाही का आश्वासन दिया है।थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि झगड़े की सूचना मिली थी। घायलों का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है। तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

नेशनल इंटर कॉलेज मुंडाडीहा बेग के पूर्व प्रधानाचार्य अबू बकर साहब का निधन

नमाज-ए-जनाजा में उमड़ा हजारों लोगों का हुजूम, नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। विकासखंड सेमरियावां के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान नेशनल इंटर कॉलेज मुंडाडीहा बेग के पूर्व प्रधानाचार्य अबू बकर साहब के आकस्मिक निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की खबर मिलते ही शिक्षा जगत, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों में शोक व्याप्त हो गया। नमाज-ए-जनाजा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए और नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। अबू बकर साहब शिक्षा जगत की एक सम्मानित और प्रतिष्ठित शख्सियत थे। प्रधानाचार्य पद से सेवानिवृत्त होने के बाद भी उनका शिक्षकों, विद्यार्थियों और क्षेत्र के लोगों से गहरा जुड़ाव बना रहा। वे बेहद सज्जन, शरीफ, सादगी पसंद और नफासत पसंद इंसान थे। अपने सरल स्वभाव, अनुशासनप्रियता और बेहतर व्यवहार के कारण उन्होंने समाज में विशिष्ट पहचान बनाई थी। उनके हजारों शिष्य आज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके निधन को क्षेत्र ने शिक्षा जगत की अपूरणीय क्षति के रूप में देखा है। एस,ए,एम पब्लिक स्कूल सेमरियावां,नेशनल इंटर कालेज ,नुरूल करीम पब्लिक स्कूल सेमरियावां, अलहुदा पब्लिक स्कूल सेमरियावां ,जूनियर हाई स्कूल सेमरियावां आदि स्कूल कॉलेज में शोक सभा का आयोजन किया गया।

उनके निधन पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि एवं सपा नेता मोहम्मद अहमद,हाजी मशहूर आलम चौधरी,मुनीर हसन चौधरी, प्रिंसिपल मुजीबुल्लाह, इनमुल्लाह सिद्दीकी, शमशेर अहमद मैनेजर, फैजान अहमद मैनेजर, फुजेल अहमद नदवी मैनेजर, मौलाना निसार अहमद नदवी, शिक्षक जफीर अली करखी,मो मोकर्रम एडोकेट, डॉ मो मोईन खान,सर्व जीत, बदरे आलम,मो कासिम सिद्दीकी,मोहम्मद आजम, मोहम्मद शोएब अख्तर, अब्दुर्रहीम, जे.डी. अंसारी, ग्राम प्रधान अफजाल अहमद, ग्राम प्रधान अबरार अहमद, लल्लन चौधरी,प्रो. खलील अहमद अलीग, मनोज कुमार अनिल, फूलचंद, बैरागी, कमरे आलम सिद्दीकी, मुख्तार आलम सिद्दीकी, सुहेल अहमद, एजाज मुनीर और एजाज अहमद करखी,मो अदनान,मसरूर खान,मो परवेज अख्तर,मुनव्वर खान,महेंद्र कुमार श्रीवास्तव सहित अनेक लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया। शोक व्यक्त करने वालों ने कहा कि अबू बकर साहब का व्यक्तित्व हमेशा लोगों के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाओं और अपने व्यवहार से जो सम्मान अर्जित किया, उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। लोगों ने दिवंगत की मगफिरत के लिए दुआ करते हुए परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दुखद अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों, शिक्षाविदों, पूर्व विद्यार्थियों और शुभचिंतकों ने भी अबू बकर साहब के साथ बिताए पलों को याद किया। सभी ने कहा कि उनका स्नेहपूर्ण व्यवहार, शिक्षा के प्रति समर्पण और समाज के प्रति जिम्मेदारी हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रहेगी। उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

जितिन प्रसाद के प्रयासों से सिमरिया स्टेडियम को मिली 1.92 करोड़ रूपये की सौगात

अधूरे निर्माण को पूरा करने के लिए शासन ने जारी की धनराशि, ग्रामीण खिलाड़ियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

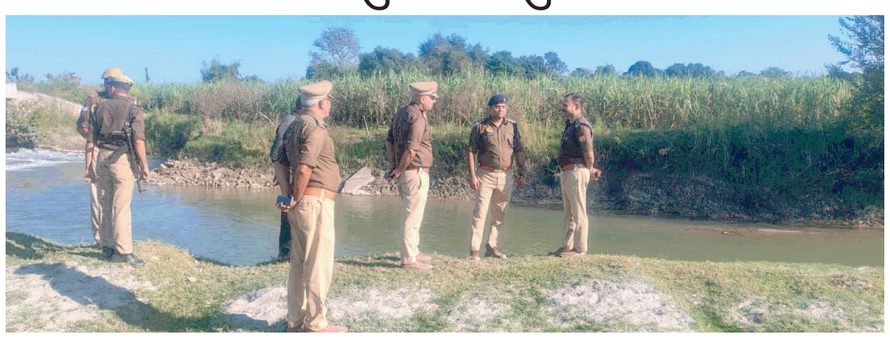
पूरनपुर/पीलीभीत। ग्रामीण क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में पूरनपुर क्षेत्र को बड़ी सौगात मिली है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के प्रयासों के बाद पूरनपुर विकासखंड के ग्राम सिमरिया ता. महाराजपुर में निमार्णाधीन ग्रामीण स्टेडियम के अधूरे कार्यों को पूरा कराने के लिए उत्तर प्रदेश शासन ने 1 करोड़ 92 लाख 47 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत कर अवमुक्त कर दी है।शासन की ओर से 10 नवंबर 2026 को इस संबंध में आदेश जारी किया गया है।गांव में ग्रामीण स्टेडियम का निर्माण पहले से कराया जा रहा था, लेकिन बजट के अभाव में इसके कई महत्वपूर्ण कार्य अधूरे रह गए थे। स्टेडियम को पूरी तरह तैयार कराने के लिए शासन स्तर पर धनराशि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही थी।केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद की ओर से लगातार किए गए प्रयासों के बाद अब इस परियोजना को पूरा करने का रास्ता साफ हो गया है। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग की ओर से जारी शासनादेश में 192.47 लाख रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।स्वीकृत



बजट से स्टेडियम परिसर में 635.68 मीटर लंबी बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा मुख्य प्रवेश द्वार स्थापित करने, शौचालयों की व्यवस्था विकसित करने, वाटर प्यूरीफायर लगाने तथा अर्थ फिलिंग सहित अन्य जरूरी निर्माण कार्य कराए जाएंगे। इन कार्यों के पूरा होने से स्टेडियम का स्वरूप बेहतर होगा और परिसर अधिक व्यवस्थित एवं उपयोगी बन सकेगा।स्टेडियम तैयार होने के बाद पूरनपुर क्षेत्र के ग्रामीण युवाओं और खेल प्रतिभाओं को स्थानीय स्तर पर अभ्यास करने का अवसर मिलेगा। अभी खेलकूद के लिए बेहतर सुविधाओं की तलाश में ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को अन्य स्थानों का रुख करना पड़ता है। ऐसे में यह स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण केंद्र साबित हो सकता है।यहां विभिन्न खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ ही ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।शासनादेश के अनुसार स्वीकृत धनराशि का उपयोग निर्धारित निर्माण कार्यों में ही किया जाएगा। वित्तीय नियमों और शासन की ओर से तय शर्तों का पालन करते हुए निर्माण कार्य पूरा कराने की जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी।इस स्वीकृति को क्षेत्र के विकास और ग्रामीण युवाओं के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने इस परियोजना को पीलीभीत के विकास और युवाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में अहम कदम बताया है।

छठ पूजा और कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियों का एएसपी ने लिया जायजा

मेला स्थल का निरीक्षण कर यातायात, भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को परखा



वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। आगामी छठ पूजा एवं कार्तिक पूर्णिमा मेले को लेकर पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक हिमांशु गौरव ने क्षेत्राधिकारी पूरनपुर विधि भूषण मौर्य के साथ थाना हजारा क्षेत्र में मेला स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण और श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। एएसपी ने अधिकारियों एवं पुलिस कर्मचारियों को मेले के दौरान पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, संवेदनशील स्थानों पर सतर्क निगरानी रखने तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने देने पर जोर दिया।

गोवर्धन पर्व पर गौशाला में गूंजे गौ माता के जयकारे, शैलेंद्र गुप्ता ने सपरिवार किया पूजन

गौ माता को तिलक लगाकर उतारी आरती, हरा चारा खिलाकर की सुख-समृद्धि की कामना

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पूरनपुर/पीलीभीत। गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर मंगलवार को पूरनपुर नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष शैलेंद्र गुप्ता सपरिवार स्थानीय गौशाला पहुंचे। यहां उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ विधि-विधान से गौ माता का पूजन किया और क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान गौशाला में श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिला।नगर पालिका अध्यक्ष ने गौ माता को तिलक लगाकर आरती उतारी। इसके बाद उन्हें हरा चारा और ग्रास खिलाकर गौसेवा की। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी पूजन में भाग लेकर गौ माता के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। गोवर्धन पूजा के मौके पर गौशाला पहुंचकर सेवा करने के इस आयोजन को धार्मिक परंपरा और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़कर देखा गया।इस अवसर पर शैलेंद्र गुप्ता ने कहा कि गोवर्धन पूजा भारतीय



संस्कृति का महत्वपूर्ण पर्व है। यह त्योहार हमें प्रकृति के संरक्षण, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता और जीव-जंतुओं की सेवा का संदेश देता है। भारतीय परंपरा में गौ माता का विशेष महत्व है और गोवंश का संरक्षण करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है।उन्होंने कहा कि धार्मिक पर्व केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होने चाहिए, बल्कि इनके माध्यम से सेवा और सद्भाव की भावना को भी आगे बढ़ाना चाहिए। गौशालाओं में संरक्षित गोवंश की नियमित देखभाल, उनके लिए चारे-पानी की व्यवस्था और स्वच्छ वातावरण बनाए रखना जरूरी है।नगर पालिका अध्यक्ष ने लोगों से भी अपील की कि वे गौसेवा और गोवंश संरक्षण के कार्यों में अपनी भागीदारी निभाएं। त्योहारों को आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाएं। सपरिवार गौशाला पहुंचकर गौ पूजन करने के दौरान उन्होंने गौ माता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

पूरनपुर क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया गोवर्धन पूजा का पर्व

महिलाओं ने गोबर से बनाई गोवर्धन महाराज की प्रतिमा, परिवार की सुख-समृद्धि के लिए की पूजा-अर्चना

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। क्षेत्र में गोवर्धन पूजा का पर्व मंगलवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों में पर्व को लेकर तैयारियां शुरू हो गईं। महिलाओं ने परंपरागत तरीके से गाय के गोबर से गोवर्धन महाराज की प्रतिमा बनाकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान घरों में धार्मिक माहौल बना रहा और परिवार की सुख-समृद्धि तथा खुशहाली की कामना की गई।अमरैयाकलां सहित आसपास के गांवों में महिलाओं ने सुबह स्नान आदि के बाद व्रत रखा। घरों के आंगन में गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृति तैयार की गई। इसके बाद रोली, अक्षत, फूल और अन्य पूजन सामग्री से भगवान गोवर्धन की पूजा की गई। महिलाओं ने परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा संपन्न कर परिवार की खुशहाली और सुख-शांति



के लिए प्रार्थना की। कई घरों में भजन-कीर्तन का आयोजन भी हुआ, जिसमें महिलाओं और बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया।पर्व को लेकर बच्चों में भी खासा उत्साह दिखाई दिया। पूजा-अर्चना के बाद बच्चों ने पटाखे चलाकर खुशियां मनाईं। गांवों में सुबह से शाम तक धार्मिक उल्लास का माहौल बना रहा। लोगों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं भी दीं। क्षेत्र के खाता, अमरैयाकलां, सुखदासपुर, रघुनाथपुर, देवीपुर, महादिया, रम्पुराफकीरे, नवदिया धनेश, सबलपुर, तकियादीनारपुर, धर्मगदपुर, गौटिया, नवदिया टोडरपुर, ककरौआ, दोदपुर, चित्तरपुर, भीमपुर नौगजा और प्रसादपुर सहित अनेक गांवों में गोवर्धन पूजा श्रद्धापूर्वक की गई। नगर पूरनपुर में भी जगह-जगह पर्व की रौनक देखने को मिली।इस दौरान अनीता यादव, रीता यादव, बबिता कुशवाहा, अंजलि कुशवाहा, दीपिका, कंचन देवी कुशवाहा, मोनिका, सावित्री देवी, परिधि कुशवाहा, सुधा देवी, अंशिका, दिव्या, राशि, पंखुड़ी, ममता, संतरा देवी, सारिका और मिथलेश सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल रहे।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती, आगरा में चला सघन चेकिंग अभियान

वेलकम इंडिया/मयूर खान



आगरा। यातायात माह-2026 के तहत आगरा यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रमुख चौराहों एवं मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए विधिक कार्रवाई की जा रही है। चेकिंग अभियान में ड्रिंक एंड ड्राइव, वाहनों पर अवैध रूप से लगाई गई ब्लैक फिल्म, बिना वैध दस्तावेजों के वाहन चलाने तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों पर विशेष नजर रखी गई। यातायात पुलिस द्वारा नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। आगरा यातायात पुलिस का उद्देश्य केवल चालान करना नहीं, बल्कि वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम करना है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वाहन चलाते समय सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं, निर्धारित यातायात नियमों का पालन करें और स्वयं के साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखें। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षित सड़क व्यवस्था और व्यवस्थित यातायात बनाए रखने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

मोटरसाइकिल लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, लूटी गई बाइक बरामद



वेलकम इंडिया/मयूर खान

आगरा। थाना बरहन पुलिस ने मोटरसाइकिल लूट की घटना का खुलासा करते हुए दो आरोपियों सुमित उर्फ चूचू और सचिन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लूटी गई एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। पुलिस के अनुसार, 7 नवंबर को कुशालपुर से घर लौट रहे युवक को काले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने रास्ते में रोककर उसकी बाइक लूट ली थी। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। सोमवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने चूहरपुर जटऊआ तिराहे के पास से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सुमित ने अपने साथी रिंकू के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। सचिन पर घटना के दौरान रेकी करने का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, लूटी गई बाइक बेचने के लिए ले जाई जा रही थी। मामले में तीसरा आरोपी रिंकू उर्फ देश अभी वांछित है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

गेहूं की बुआई में एनपीके खाद का संकट, किसान परेशान



वेलकम इंडिया संवाददाता

टांडा। मंगलवार को ग्राम खजुआ खेड़ा में किसानों ने भारतीय किसान यूनियन के नगर अध्यक्ष मजहर अली लाला से मुलाकात कर एनपीके खाद न मिलने की समस्या बताई। गेहूं की बुआई का समय चल रहा है, लेकिन सहकारी समितियों से खाद उपलब्ध नहीं हो पा रही है। खाद वितरण की नई डिजिटल व्यवस्था किसानों के लिए राहत की जगह परेशानी बन गई है। आरोप है कि समिति के कर्मचारी खाद न होने का बहाना बनाकर किसानों को टाल रहे हैं। मजबूरी में किसान निजी दुकानों से महंगे दाम पर खाद खरीदने को विवश हो रहे हैं। नगर अध्यक्ष मजहर अली लाला ने गजरौला सहकारी समिति से संपर्क किया। वहां से जवाब मिला कि खाद आने पर बांटा जाएगा। उन्होंने समिति के कर्मचारियों पर आरोप लगाया कि वे जानबूझकर किसानों को परेशान कर रहे हैं। खाद उपलब्ध होने पर भी जरूरत के मुताबिक नहीं दिया जा रहा। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया भी अनपढ़ और सीधे-सादे किसानों के लिए मुश्किलें खड़ी कर रही है। मजहर अली लाला ने बताया कि एनपीके खाद की कीमत में सीधे 500 रुपये की बढ़ोतरी हो गई है। पहले 1950 रुपये में मिलने वाली बोरी अब 2450 रुपये में मिल रही है। खेती में पहले से ही बीज, खाद, डीजल और कीटनाशकों की बढ़ती कीमतों से किसान परेशान हैं। ऐसे में खाद की कीमतों में इतनी बड़ी बढ़ोतरी उनके कृषि बजट को और बिगाड़ सकती है। इस मौके पर किशन लाल, रवि, चुन्नीलाल, मलखान सिंह, राजाराम, करन सिंह, भूप सिंह, यशपाल, श्रीपाल, हरपाल सिंह, संजय सिंह, राजेंद्र सिंह, चंद्रसेन और बाबूराम सैनी आदि मौजूद रहे।

श्रीनगर के छठ घाट पर पसरी अव्यवस्था, नहीं बनीं पूजन की वेदियां,को लेकर प्रदर्शन

न वेदी बनी, न सफाई हुई; जिम्मेदारों की अनदेखी पर ग्रामीणों में आक्रोश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। ट्रांस शारदा क्षेत्र के गांव श्रीनगर में शिव मंदिर के समीप स्थित मुख्य छठ घाट पर छठ वेदी का निर्माण न होने से ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। लोक आस्था के महापर्व डाला छठ की तैयारियां जहां पूरे क्षेत्र में जोर-शोर से चल रही हैं, वहीं श्रीनगर गांव का मुख्य छठ घाट अब भी बदहाली का शिकार बना हुआ है। व्यवस्थाएं दुरुस्त न होने से नाराज ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर जिम्मेदारों के खिलाफ नाराजगी जताई।ग्रामीणों का कहना है कि छठ महापर्व नजदीक आ गया है, लेकिन अभी तक घाट पर व्रतियों के पूजन के लिए वेदी का निर्माण नहीं कराया गया है। घाट परिसर में साफ-सफाई की भी कोई समुचित व्यवस्था नहीं दिखाई दे रही है। शिव मंदिर के किनारे स्थित घाट पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। ऐसे में पूजा के दौरान महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी उठानी पड़ सकती



है। अंधेरे में इन गड्ढों के कारण श्रद्धालुओं के साथ हादसा होने की आशंका भी बनी हुई है।ग्रामीणों ने बताया कि छठ पूजा के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं और श्रद्धालु घाट पर पहुंचकर भगवान सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इसके बावजूद घाट की तैयारियों को लेकर अब तक जिम्मेदारों की ओर से कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पर्व से पहले घाट की साफ-सफाई कराई जाए, गड्ढों को भरवाया जाए और व्रतियों के लिए छठ वेदियों का निर्माण कराया जाए।गांव के नवयुवकों ने इस समस्या से विधायक बाबूराम पासवान और बजरंग दल के जिलाध्यक्ष संजय कुमार मिश्रा को भी अवगत कराया है। बताया गया कि विधायक की ओर से घाट की व्यवस्थाएं सही कराने का आश्वासन दिया गया है।विरोध प्रदर्शन में शिव मंदिर के पुजारी अमलावती पांडेय, सुमित कुमार, रजत यादव, सत्यम गोंड, टिंकू, विनय कुमार, गब्बर, अरुण कुमार उर्फ टल्ली, मनीष यादव, तरुण कुमार, शारदा देवी सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

बिजली के तारों से निकली चिंगारी ने उजाड़ा अधिवक्ता का घर, 15 लाख रूपये का सामान जलकर हुआ राख

विद्युत विभाग से मांगा नुकसान का मुआवजा, अधिकारियों को सौंपा प्रार्थना पत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर, पीलीभीत। नगर के मोहल्ला रजागंज देहात में बिजली के तारों से निकली चिंगारी एक अधिवक्ता के परिवार पर भारी पड़ गई। घर में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और देखते ही देखते घर में रखा कीमती घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। अग्निकांड में करीब 10 से 15 लाख रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है। पीड़ित अधिवक्ता ने अब विद्युत विभाग के अधिकारियों से आर्थिक क्षति की भरपाई कराने की मांग की है।जानकारी के अनुसार, छह नवंबर को अधिवक्ता कासिम खान के मकान के पास से गुजर रहे बिजली के तारों से अचानक चिंगारी निकली। देखते ही देखते चिंगारी ने आग का रूप ले लिया और घर को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने से मकान में अफरा-तफरी मच गई। घर से धुआं उठता देखकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। लोगों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन आग तेजी से फैलती चली गई।आग की लपटों ने घर में रखे एलसीडी, अलमारी, पंखे और अन्य कीमती घरेलू सामान को अपनी चपेट में ले लिया। काफी देर तक आग बुझाने के प्रयास चलते रहे। कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक घर का अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। घटना के बाद परिवार को भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। अधिवक्ता कासिम खान के मुताबिक, बिजली के तारों से निकली चिंगारी के कारण उनके घर में आग लगी और लाखों रुपये का नुकसान हुआ। दीपावली की छुट्टियां होने के चलते घटना के तत्काल बाद विभागीय स्तर पर शिकायत नहीं हो सकी। मंगलवार को उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को पूरे मामले से अवगत कराते हुए प्रार्थना पत्र सौंपा और नुकसान का आकलन कराकर मुआवजा दिलाने की मांग की। अब पीड़ित परिवार को विभागीय कार्रवाई और आर्थिक सहायता मिलने का इंतजार है।

भगवान श्रीचित्रगुप्त की शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब, पांच रथों की झांकियों ने मोहा मन

मंत्री दयाशंकर मिश्रा 'दयालु', विधायक सौरभ श्रीवास्तव सहित गणमान्य लोगों ने आरती कर किया शुभारंभ

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। धर्म और संस्कृति की नगरी काशी में भगवान श्रीचित्रगुप्त की भव्य शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ निकाली गई। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा वाराणसी के तत्वावधान में मंगलवार को आयोजित इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, महिलाओं, युवाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों, बैंड और डमरू की गूंज के बीच भगवान श्रीचित्रगुप्त पुष्पों से सुसज्जित भव्य रथ पर विराजमान होकर नगर भ्रमण पर निकले। पूरे मार्ग में भगवान के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। पांच आकर्षक रथों पर सजाई गई सजीव धार्मिक झांकियां शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रहीं, जिन्हें देखने के लिए जगह-जगह लोगों की भीड़ जुटी रही। शोभायात्रा का शुभारंभ जगतगंज स्थित डॉ. संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के दक्षिणी द्वार से हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्रा 'दयालु', कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, महेश चन्द्र श्रीवास्तव, रिबू श्रीवास्तव तथा अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष अनूप कुमार श्रीवास्तव ने भगवान श्रीचित्रगुप्त की विधिवत पूजा-अर्चना और आरती उतारकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। इस दौरान शंखनाद और डमरू वादन से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। शोभायात्रा विश्वविद्यालय के दक्षिणी द्वार से प्रारंभ होकर रामकटोरा, पिपलानी कटरा तिराहा और लहुराबीर सहित नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए पुनः विश्वविद्यालय के दक्षिणी द्वार पर



पहुंचकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में पांच भव्य रथ विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इन रथों पर भगवान श्रीचित्रगुप्त, ब्रह्मा जी, भगवान शंकर-पार्वती, राधा-कृष्ण तथा भगवान श्रीचित्रगुप्त के परिवार की सजीव झांकियां सजाई गई थीं। आकर्षक फूलों, रंग-बिरंगी सजावट और पारंपरिक धार्मिक स्वरूप में तैयार इन झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मार्ग में जगह-जगह लोग रथों और झांकियों के दर्शन करने के लिए एकत्रित होते रहे तथा अपने मोबाइल फोन से इस भव्य आयोजन के यादगार पलों को कैमरे में कैद करते दिखाई दिए। शोभायात्रा में कायस्थ समाज के लोगों की भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली। महिलाएं, पुरुष और बच्चे पारंपरिक परिधानों में शामिल हुए। अनेक लोगों ने सिर पर पगड़ी धारण कर अपनी सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता का परिचय दिया। बैंड-बाजे, ढोल और डमरू की धुन पर श्रद्धालु भजन गाते और झूमते हुए आगे बढ़ते रहे। रास्ते में जगह-जगह स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने छतों तथा प्रतिष्ठानों से गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। कई स्थानों पर प्रसाद वितरण की व्यवस्था भी की गई। पूरे मार्ग में भगवान श्रीचित्रगुप्त के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा। इस अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. मुकेश श्रीवास्तव ने भगवान श्रीचित्रगुप्त की महिमा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान श्रीचित्रगुप्त को पाप-पुण्य का लेखा-जोखा रखने वाले लेखनाधिकारी के रूप में पूजा जाता है। उनकी आराधना से विद्या, बुद्धि, विवेक और सकारात्मक विचारों की प्राप्ति की कामना की जाती है। भगवान श्रीचित्रगुप्त का जीवन और उनके आदर्श मनुष्य को अपने कर्मों के प्रति सजग रहने तथा धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को अपनी परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। महासभा के जिलाध्यक्ष अनूप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक और सामाजिक आयोजन वाराणसी की सांस्कृतिक पहचान को और समृद्ध करते हैं। इनके माध्यम से समाज में आपसी भाईचारे, सद्भाव और एकता की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीचित्रगुप्त की शोभायात्रा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में जोड़ने का भी माध्यम है। ऐसे कार्यक्रमों में सभी वर्गों और समुदायों के लोगों की सहभागिता भारतीय संस्कृति की विशेषता को प्रदर्शित करती है। आयोजकों ने बताया कि भगवान श्रीचित्रगुप्त का जीवन संघर्ष, साहस, विचारशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता की प्रेरणा देने वाले व्यक्तित्व के रूप में भी स्मरण किया जाता है। नई पीढ़ी को ऐसे महान व्यक्तित्वों के विचारों और आदर्शों से परिचित कराना आवश्यक है, ताकि उनमें सामाजिक जिम्मेदारी, सांस्कृतिक चेतना और आपसी सद्भाव की भावना विकसित हो सके। शोभायात्रा में उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्रा दयालु, स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रविन्द्र जायसवाल, कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, एमएलसी आशुतोष सिन्हा, रिबू श्रीवास्तव, महेश चन्द्र श्रीवास्तव, अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज कुमार श्रीवास्तव, राघवेन्द्र चौबे, डॉ. आनंद, अधिवक्ता कौशिक कुमार, अधिवक्ता शुभम सेठ, ईशान श्रीवास्तव और अभिषेक निगम सहित अनेक गणमान्य लोग शामिल हुए।

गोवर्धन पूजा पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, अन्नकूट का प्रसाद पाकर भक्त हुए निहाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

औरंगाबाद (बुलंदशहर)। नगर क्षेत्र में मंगलवार को गोवर्धन पूजा का पावन पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री नागेश्वर महादेव मंदिर, अजीजाबाद स्थित नवदेवी चामुण्डा मंदिर, घास मंडी के निकट स्थित शिव मंदिर सहित नगर के विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से गोवर्धन महाराज की पूजा-अर्चना की। पूजा और भोग-आरती के बाद श्रद्धालुओं को अन्नकूट, पूरी, कढ़ी और चावल का प्रसाद वितरित किया गया। वहीं, श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों में भी गाय के गोबर से गोवर्धन महाराज की आकृति बनाकर विधिवत पूजा की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर नवदेवी चामुण्डा मंदिर के महंत पंडित महेंद्र



कुमार शर्मा ने गोवर्धन पूजा के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्रदेव का अभिमान दूर करने और मूसलाधार बारिश से ग्वालों एवं उनके पशुओं की रक्षा करने के लिए अपनी कनिष्ठिका अंगुली पर विशाल गोवर्धन पर्वत उठा लिया था। तभी से भगवान श्रीकृष्ण के इस दिव्य प्रसंग की स्मृति में गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जाता है। प्रसाद वितरण एवं आयोजन में राजेंद्र अग्रवाल, व्यापारी नेता मनोज गोयल, पत्रकार नितिन अग्रवाल, सुशील गुप्ता, दीपक अग्रवाल, बब्लू अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, जीता सिंह लोधी, सतीश लोधी, देवपाल सिंह, ब्रजेश कुमार, रविन्द्र शर्मा, चेतन भारद्वाज, राजाराम सैनी, पप्पू सैनी, मनोज सैनी और गंगाशरण सैनी सहित अन्य श्रद्धालुओं ने सहयोग किया।

चंडीगढ़-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस के एसी कोच में मिली शराब की 12 बोतलें, जीआरपी-आरपीएफ ने की बरामदगी

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने तथा शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत वाराणसी कैंट जीआरपी और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की संयुक्त टीम को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। मंगलवार को वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर खड़ी चंडीगढ़-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस के एसी कोच से पुलिस टीम ने लावारिस हालत में रखा एक पिट्ठू बैग बरामद किया। बैग की तलाशी लेने पर उसमें से अंग्रेजी शराब की 12 बोतलें मिलीं। बरामद शराब की कुल मात्रा नौ लीटर और अनुमानित कीमत 5,200 रुपये बताई गई है। सभी बोतलों पर 'फॉर सेल इन चंडीगढ़ ओनली' अंकित था, जिससे शराब की आपूर्ति और बिक्री चंडीगढ़ तक सीमित होने की जानकारी सामने आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 10 नवंबर 2026 को पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे



जोन प्रयागराज एन. कोलान्ची, पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग प्रयागराज प्रशांत वर्मा तथा पुलिस उपाधीक्षक रेलवे वाराणसी कुंवर प्रभात सिंह के निर्देशन में वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध व्यक्तियों और वस्तुओं की जांच के साथ अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक जीआरपी कैंट रजोल नागर के नेतृत्व में उपनिरीक्षक राजबहादुर, उपनिरीक्षक सोहनपाल वर्मा सहित पुलिसकर्मी प्लेटफार्म नंबर छह पर चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान प्लेटफार्म पर खड़ी ट्रेन संख्या 22356 चंडीगढ़-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस के ए-1 वातानुकूलित कोच की गैलरी में एक पिट्ठू बैग लावारिस हालत में पड़ा दिखाई दिया। संदिग्ध बैग को देखकर पुलिसकर्मियों ने आसपास मौजूद यात्रियों और अन्य लोगों से उसके स्वामी के संबंध में पूछताछ की। जीआरपी और आरपीएफ के जवानों ने ट्रेन के अंदर तथा आसपास आवाज लगाकर भी बैग के मालिक का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी व्यक्ति बैग पर अपना दावा करने नहीं पहुंचा। इसके बाद सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस टीम ने बैग को खोलकर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से रॉयल स्टैग व्हिस्की की 750 मिलीलीटर की आठ बोतलें तथा नैना रम की 750 मिलीलीटर की चार बोतलें बरामद हुईं। इस प्रकार कुल 12 बोतलों में नौ लीटर अंग्रेजी शराब मिली। पुलिस के अनुसार, बरामद शराब की अनुमानित कीमत 5,200 रुपये है। सभी बोतलों पर 'फॉर सेल इन चंडीगढ़ ओनली' लिखा हुआ था। इससे शराब के चंडीगढ़ में बिक्री के लिए होने की जानकारी मिली। पुलिस टीम ने बरामद शराब को अपने कब्जे में लेकर विधिवत सील किया और जीआरपी कैंट थाने लाकर मालखाने में दाखिल कराया। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक जीआरपी कैंट वाराणसी रजोल नागर, प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ पोस्ट वाराणसी संदीप कुमार, उपनिरीक्षक राजबहादुर, उपनिरीक्षक सोहनपाल वर्मा, एएसआई राकेश सिंह (आरपीएफ सीआईबी वाराणसी), हेड कांस्टेबल राहुल सिंह, कांस्टेबल सूरजेश यादव, हेड कांस्टेबल विश्वमोहन पासवान, हेड कांस्टेबल अशोक तथा कांस्टेबल सतीश यादव सहित जीआरपी कैंट वाराणसी और आरपीएफ की संयुक्त टीम के अन्य जवान शामिल रहे। रेलवे पुलिस की इस कार्रवाई को ट्रेनों में अवैध शराब की आवाजाही पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है।

युवक से मारपीट कर मोबाइल तोड़ा, विरोध करने पर दी जान से मारने की धमकी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पहासू (बुलंदशहर)। थाना पहासू क्षेत्र में मारपीट कर मोबाइल फोन तोड़ने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। ग्राम बनेल निवासी एक युवक ने फजलपुर के रहने वाले युवक पर गाली-गलौज, मारपीट और मोबाइल फोन क्षतिग्रस्त करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पहासू पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ग्राम बनेल निवासी मनीष ठाकुर पुत्र यतेन्द्र पाल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 12 बजे ग्राम फजलपुर निवासी ललित जादौन पुत्र दिनेश सिंह ने उनके साथ कहासुनी शुरू कर दी। आरोप है कि बातचीत के दौरान आरोपी ने उनके साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की और फिर मारपीट करने लगा। इस दौरान आरोपी ने उनका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। पीड़ित के अनुसार, जब उन्होंने आरोपी की इस हरकत का विरोध किया और मोबाइल फोन तोड़ने पर आपत्ति जताई तो आरोपी और अधिक आक्रामक हो गया। आरोप है कि उसने उनके साथ दोबारा मारपीट की और मौके से जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए पहासू थाने पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। मनीष ठाकुर ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और न्याय दिलाने की मांग की। पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तहरीर के आधार पर ललित जादौन के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस संबंध में थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

फफूंदी की शिकायत पर मिठाई गोदाम में खाद्य विभाग की बड़ी छापेमारी

320 किलो मिठाई में फफूंदी की शिकायत पर हड़कंप, छैना और मावे की मिठाई के नमूने लिए; 10 किलो दूषित मिठाई मौके पर कराई नष्ट





वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। जहांगीराबाद नगर के रामगंज स्थित राजू हाथरसी के मिठाई गोदाम पर मंगलवार को खाद्य विभाग की टीम ने छापेमारी कर जांच-पड़ताल की। करीब 320 किलो मिठाई में फफूंदी पाए जाने की शिकायत मिलने के बाद विभाग हरकत में आया और मौके पर पहुंचकर मिठाइयों की गुणवत्ता की जांच की। जिला खाद्य निरीक्षक अनिल कुमार राय एवं खाद्य निरीक्षक अनिल कुमार कौशल ने संयुक्त रूप से गोदाम पर पहुंचकर छानबीन की। इस दौरान टीम ने छैना और मावे की मिठाई के दो नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने की प्रक्रिया पूरी की। वहीं, मौके पर करीब 10 किलो दूषित मिठाई नष्ट कराई गई। मुख्य खाद्य निरीक्षक ने बताया कि मिठाई विक्रेता को प्रतिष्ठान पर साफ-सफाई रखने तथा खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा अन्य जानकारियां प्राप्त करने के लिए नोटिस भी जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाईदूज पर एसएसपी ने पुलिस बल के साथ की पैदल गश्त, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा



वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। भाईदूज पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने कोतवाली देहात क्षेत्र में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त कर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था का जायजा लिया। पैदल गश्त के दौरान एसएसपी ने प्रमुख बाजारों, मुख्य मार्गों, चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने आमजन, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद कर पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में फीडबैक लिया। साथ ही लोगों से भाईदूज का पर्व आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। एसएसपी ने संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि त्योहार के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरती जाए। संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की सघन चेकिंग की जाए तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। बाजारों और प्रमुख मार्गों पर बढ़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने पुलिसकर्मियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

दिवाली के बाद वाराणसी की हवा हुई प्रदूषित, सांस और एलर्जी के मरीज बरतें सावधानी : डॉ. एसके पाठक

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। दीपावली के बाद वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। शहर के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खराब स्थिति में पहुंच गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, शहर का औसत एक्यूआई 280 से 300 के आसपास दर्ज किया जा रहा है, जबकि दुगाकुंड में 326, निराला नगर में 321 और मलदहिया सहित कई क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर 300 के पार पहुंच गया है। हवा में मौजूद सूक्ष्म धूलकणों पीएम 2.5 और पीएम 10 के साथ अन्य प्रदूषक तत्वों की बढ़ती मात्रा लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। विशेष रूप से सांस, दमा, एलर्जी और फेफड़ों से संबंधित बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए यह स्थिति अधिक सावधानी बरतने वाली है। बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर वरिष्ठ श्वांस, छाती, एलर्जी एवं फेफड़ा रोग विशेषज्ञ डॉ. एसके पाठक (ब्रेथ ईजी) ने शहरवासियों के लिए स्वास्थ्य संबंधी परामर्श जारी किया है। उन्होंने कहा कि दीपावली के दौरान पटाखों से निकलने वाला धुआं, मौसम में बदलाव और वातावरण में नमी मिलकर प्रदूषण की स्थिति को और गंभीर बना देते हैं। इन परिस्थितियों में हवा में मौजूद धूल और जहरीले कण वातावरण में लंबे समय तक बने रह सकते हैं, जिससे सांस लेने में परेशानी बढ़ती है।

फेफड़ों की गहराई तक पहुंचते हैं प्रदूषण के सूक्ष्म कण

डॉ. एसके पाठक ने बताया कि पीएम 2.5 जैसे बेहद बारीक प्रदूषित कण सांस के माध्यम से फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं। इनका प्रभाव केवल श्वसन तंत्र तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शरीर में सूजन और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा भी बढ़ सकता है। प्रदूषण के कारण सांस फूलना, लगातार खांसी आना, सीने में जकड़न, गले में खराश और घबराहट जैसी शिकायतें बढ़ सकती हैं। दमा और ब्रोंकाइटिस के मरीजों में बीमारी के लक्षण अचानक गंभीर होने का खतरा रहता है। वहीं, स्वस्थ लोगों को भी आंखों में जलन, सिरदर्द, नाक में परेशानी और गले में खराश जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने विशेष रूप से अस्थमा, सीओपीडी और फेफड़ों की एलर्जी से पीड़ित मरीजों को सतर्क रहने की सलाह दी। उनका कहना है कि जिन लोगों को पहले से सांस संबंधी परेशानी है, उन्हें प्रदूषण के संपर्क में आने से बचना चाहिए। बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को भी इस दौरान अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

सुबह और देर शाम की सैर से बचें

डॉ. पाठक ने बताया कि प्रदूषण के बढ़े हुए स्तर के दौरान सुबह जल्दी और देर शाम बाहर निकलने से बचना चाहिए। इन समयों में कई परिस्थितियों में प्रदूषक कणों का स्तर अधिक हो सकता है। जब तक वायु



गुणवत्ता में सुधार नहीं होता, तब तक बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को सुबह की सैर, दौड़ने और खुले स्थानों पर भारी व्यायाम करने से परहेज करना चाहिए। यदि बाहर जाना जरूरी हो तो कम प्रदूषण वाले समय का चयन करें और अनावश्यक रूप से लंबे समय तक खुले वातावरण में न रहें। डॉ. एसके पाठक ने घर के अंदर स्वच्छ वातावरण बनाए रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि प्रदूषण के अधिक स्तर के दौरान सुबह और शाम के समय दरवाजे तथा खिड़कियां बंद रखना बेहतर है। घर के अंदर अगरबत्ती, धूपबत्ती और मच्छर मारने वाली कॉइल जलाने से बचना चाहिए, क्योंकि इनसे निकलने वाला धुआं भी सांस संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकता है। घर में साफ-सफाई रखें और धूल जमा न होने दें। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी जरूरी है। गुनगुना पानी पीने से गले में होने वाली परेशानी में आराम मिल सकता है। उन्होंने कहा कि श्वसन संबंधी परेशानी वाले लोग अपनी व्यक्तिगत स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार चिकित्सकीय सलाह लें। भाप लेने या गुनगुने नमक वाले पानी से गरारे करने से कुछ लोगों को गले और नाक की परेशानी में अस्थायी राहत मिल सकती है, लेकिन इन्हें प्रदूषण से बचाव या बीमारी के उपचार का विकल्प नहीं समझना चाहिए।

बाहर निकलते समय एन-95 मास्क का करें प्रयोग

उन्होंने बताया कि प्रदूषण से बचाव के लिए मास्क का सही इस्तेमाल भी जरूरी है। बाहर निकलते समय सामान्य कपड़े के मास्क के बजाय अच्छी गुणवत्ता वाले एन-95 या एन-99 मास्क का प्रयोग करना चाहिए। मास्क को इस प्रकार पहनें कि नाक और मुंह पूरी तरह ढके रहें और किनारों से हवा का अनावश्यक प्रवेश न हो। विशेष रूप से उन लोगों को मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए जिन्हें धूल, धुएं और प्रदूषण से एलर्जी या सांस लेने में परेशानी होती है। डॉ. पाठक ने अस्थमा और एलर्जी के मरीजों को सलाह दी कि वे अपनी नियमित दवाएं और चिकित्सक द्वारा बताए गए प्रिवेंटिव इनहेलर किसी भी स्थिति में अपनी मर्जी से बंद न करें। मरीजों को अपना इमरजेंसी रिलीवर इनहेलर भी हमेशा अपने साथ रखना चाहिए, ताकि अचानक सांस की परेशानी होने पर तत्काल राहत के लिए उसका इस्तेमाल किया जा सके। दवाओं की मात्रा में बदलाव केवल विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह पर ही करना चाहिए।

गंभीर लक्षण दिखने पर तत्काल लें चिकित्सकीय सहायता

डॉ. पाठक ने चेतावनी दी कि यदि किसी व्यक्ति को सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई, सीने में दर्द, ऑक्सीजन स्तर में गिरावट, लगातार खांसी या सांस फूलने की समस्या हो तो घरेलू उपायों के भरोसे नहीं रहना चाहिए। ऐसी स्थिति में तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदूषण का प्रभाव कम करने के लिए व्यक्तिगत सावधानी के साथ सामूहिक प्रयास भी जरूरी हैं। शहरवासियों को खुले में कूड़ा और पत्तियां जलाने से बचना चाहिए तथा वाहनों और अन्य स्रोतों से होने वाले धुएं को कम करने में सहयोग करना चाहिए। अंत में डॉ. एसके पाठक ने शहरवासियों से अपील की कि वायु प्रदूषण को सामान्य मौसमी परेशानी समझकर नजरअंदाज न करें। विशेषकर सांस, दमा, सीओपीडी और एलर्जी के मरीज अपनी सेहत को प्राथमिकता दें तथा चिकित्सकीय परामर्श का पालन करें। समय रहते बरती गई सावधानी प्रदूषण से होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के जोखिम को कम करने में मददगार साबित हो सकती है।

गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर आनंदेश्वर महादेव शिव मंदिर में भव्य अन्नकूट प्रसाद वितरण

अनिल वशिष्ठ





मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। मोदीनगर रेलवे रोड स्थित ऐतिहासिक आनंदेश्वर महादेव शिव मंदिर में गोवर्धन पूजा के पावन पर्व पर अन्नकूट प्रसाद वितरण एवं विशाल भंडारे का अत्यंत भव्य और दिव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर देवाधिदेव महादेव एवं भगवान श्रीकृष्ण जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। मंदिर परिसर में गूंजते वैदिक मंत्रोच्चार और भजनों के बीच सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बड़े ही उत्साह, श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया। पूरा मंदिर परिसर आपसी सौहार्द, सेवा और आध्यात्मिक आनंद से सराबोर दिखाई दिया। इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन की सफलता में नगर के प्रतिष्ठित एवं गणमान्य महानुभावों का विशेष और सराहनीय योगदान रहा। इस पावन अवसर पर शिक्षाविद विनोद कुमार माहेश्वरी,नरेंद्र माहेश्वरी, कुमोद माहेश्वरी , गौरव माहेश्वरी, अंकुर माहेश्वरी, आशीष माहेश्वरी, पवन वर्मा, प्रियंका वर्मा, सुलेख गुप्ता तथा पुष्पा बहन ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। गणमान्य व्यक्तियों में स्थानीय विधायिका डॉ. मंजू शिवाच जी, मंडल अध्यक्ष श्री आकाश शर्मा जी, श्रीमती





राधिका माहेश्वरी, पी.बी.ए.एस. कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या श्रीमती संगीता शर्मा एवं श्रीमती शिखा माहेश्वरी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इसके अलावा कार्यक्रम में देवांश शर्मा, वेदांत माहेश्वरी, अनय माहेश्वरी तथा देवपाल हरित भी उपस्थित रहे। साथ ही पत्रकारों में शैलेंद्र शर्मा, सुभाष शर्मा, संजय तिवारी, अनिल मित्तल, अनिल वशिष्ठ, अयूब खान सहित नगर के अनेक प्रबुद्ध पत्रकारों की गरिमामयी उपस्थिति एवं सक्रिय सहयोग रहा। आयोजन को ऐतिहासिक बनाने में तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के समस्त कर्मचारियों तथा स्पाइस गार्डन के सभी कर्मचारियों का भी विशेष और सराहनीय योगदान रहा। समाज के सभी वर्गों के सम्मिलित प्रयासों से संपन्न यह भव्य आयोजन क्षेत्र में आपसी प्रेम, सद्भाव, सेवा और सांस्कृतिक संस्कारों की अनूठी मिसाल पेश करता नजर आया।

विक्की की हत्या के मामले में परिजनों ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। विक्की की हत्या के मामले में परिजनों ने लोगों के साथ कोतवाली में हंगामा किया और कोतवाली परिसर में धरना दिया। पुलिस पर लापरवाही बरतने का आरोप लगा आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई।

बता दें कि विश्वकर्मा बस्ती निवासी विक्की का शव विगत शनिवार को गांव सीकरी खुर्द-कलछीना मार्ग पर सड़क किनारे पड़ा मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चला कि विक्की की हत्या कांच की बोतल सीने में घोंपकर की गई थी। मामले में परिजनों की तरफ से विक्की के दोस्त शिवम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

घटना को चार दिन बीतने के बाद भी हत्यारोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। मंगलवार को बड़ी संख्या में लोग कोतवाली में पहुंचे और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की।

आरोप है कि पुलिस मामले में लापरवाही बरत रही है। परिजनों ने आरोपी को शीघ्र पकड़कर कार्रवाई की करने की मांग की गई। पुलिस ने किसी तरह लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। एसीपी मोदीनगर का कहना है कि घटना जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

महिला से अभद्रता तथा जानलेवा हमला करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। विकास कुमार पुत्र सतीश निवासी जगतपुरी निवाडी रोड, ने पुलिस में दी एक तहरीर में आरोप लगाते हुए शिकायत की है कि गत दिवस मेरी माताजी मुनेश देवी बाजार किसी काम से जा रही थी। तभी रास्ते में जगतपुरी निवाडी रोड के रहने वाले लोग गिरोह बनाकर खड़े थे। इन लोगों ने मेरी मम्मी के ऊपर अश्लील कमेंट पास की एवं अभद्र व्यवहार करने लगे। मेरी मम्मी ने जब इसका विरोध किया तो ये लोग गाली-गलौच पर उतारू हो गये। शोर-शराबा सुनकर आस-पास के लोग भी इकट्ठा हो गये तभी घर से मेरा छोटा भाई शिवकुमार आ गया उसने जब उनसे कहा कि आप लोग मेरी मम्मी के साथ बदतमीजी क्यों कर रहें हो तो उन लोगों ने एकरॉय होकर लाठी डंडे व उस्तरे से मेरे छोटे भाई पर हमला कर दिया तथा कहने लगे कि आज इसे साले को निपटा ही देते है और मारपीट करने लगे। हर्ष ने पीछे से मेरे भाई की कमर में उस्तरा मार दिया तथा ईंट बरसाने लगे। वे लोग हमें भविष्य में जान से मारने की धमकी देकर चले गये। विकास कुमार ने जगतपुरी कई लोगों के खिलाफ आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करने एवं प्रार्थी के परिवार की जान-माल व लगाये जाने वाले झूठे केसों से सुरक्षा करनें मांग की है।

महाराजा अग्रसेन भवन में अन्नकूट भंडारे का आयोजन, गरीबों और बेसहारा लोगों की सेवा के लिए भवन बनेगा सहारा





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर इंदिरापुरम स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में मंगलवार को अन्नकूट भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं और समाज के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में ट्रस्ट एवं वैश्य अग्रवाल परिवार के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। धार्मिक वातावरण के बीच आयोजित भंडारे में सेवा और सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन भवन ट्रस्ट के प्रधान श्रवण कुमार गर्ग, महासचिव शिवकुमार गुप्ता, संयोजक अनिल कुमार जैन, वैश्य अग्रवाल परिवार के संयोजक प्रदीप गुप्ता, अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, महासचिव हेमंत गुप्ता, महिला संयोजक वंदना गुप्ता, अनुपमा गुप्ता, रेखा गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने प्रसाद वितरण में सहयोग किया। सभी ने श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए सेवा भाव से भंडारे की व्यवस्था संभाली। अन्नकूट भंडारे के आयोजन के माध्यम से पदाधिकारियों ने सामाजिक सेवा और सहयोग की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प भी दोहराया। उनका कहना था कि महाराजा अग्रसेन भवन को ऐसा केंद्र बनाने का प्रयास रहेगा, जहां धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के साथ जरूरतमंदों की सहायता से जुड़े कार्य भी नियमित रूप से किए जा सकें। विशेष रूप से गरीब और बेसहारा लोगों को भोजन उपलब्ध कराने तथा चिकित्सा संबंधी जरूरतों में सहयोग करने पर ध्यान दिया जाएगा। आयोजन में मौजूद लोगों ने कहा कि गोवर्धन पूजा जैसे पर्व हमें सेवा, सहयोग और सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। ऐसे अवसरों पर सामूहिक भंडारे और प्रसाद वितरण से समाज के लोगों को एक-दूसरे से जुड़ने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने सभी सहयोगियों और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। वैश्य अग्रवाल परिवार के संयोजक प्रदीप गुप्ता ने कहा कि महाराजा अग्रसेन भवन का निर्माण समाज के लिए लंबे समय से देखा जा रहा एक सपना था, जो अब साकार हो चुका है।

गोवर्धन पूजन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। समाजसेवी मास्टर प्रेम चौधरी खंजरपुर के निवास स्थान पर गोवर्धन पूजन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम गोवर्धन के समक्ष दीप जलाकर कुटुंब के सभी सदस्यों ने गोवर्धन महाराज की परिक्रमा की। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों चौधरी राजपाल सिंह राजवीर सिंह एवं ब्रजवीर सिंह ने बच्चों को गोवर्धन महाराज की महत्व से परिचित कराया।

गोवर्धन पर्व के उपलक्ष्य में बाल हनुमान मंदिर पर भंडारे का आयोजन

बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। हरमुखपुरी गेट नंबर-2 स्थित बाल हनुमान मंदिर में गोवर्धन पर्व के पावन अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों ने मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की तथा भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में पंडित उद्यान प्रसाद कंसवाल ने विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को पूजा करवाई। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर पप्पन शर्मा, राहुल गुज्जर, राजीव गुप्ता, सुरेश शर्मा, नवल गुप्ता, संजीव गोयल, ओ.डी. त्यागी, डॉ. एन.पी. सिंह सहित शहर के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन में श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। भंडारे के माध्यम से सेवा, समर्पण और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया गया।

वसुंधरा चौकी विस्फोट मामले में फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार

वेलकम इंडिया संवाददाता

साहिबाबाद। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र की वसुंधरा पुलिस चौकी के बाहर हुए विस्फोट के मामले में अभी फोरेंसिक लैब की रिपोर्ट नहीं मिल सकी है। त्योहार की छुट्टी के चलते रिपोर्ट मिलने में देरी हुई है। इसके कारण पुलिस अभी तक यह पता नहीं लगा सकी है कि धमाके में किस तरह के विस्फोटक का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही विस्फोटक की प्रकृति और उससे जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी। उधर, एक संगठन द्वारा इंटरनेट मीडिया पर धमाके की जिम्मेदारी लेने संबंधी पोस्ट के बाद केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां भी सक्रिय हैं। कई राज्यों की एजेंसियां मामले से जुड़ी जानकारियां जुटा रही हैं। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार रात करीब नौ बजे वसुंधरा पुलिस चौकी पर तैनात दारोगा विकास कुमार के ऑर्डर पर अर्थला निवासी ऑनलाइन कंपनी का डिलीवरी ब्वॉय ईशान खाना लेकर पहुंचा था।

राजनगर एक्सटेंशन में आधी रात को खूनी संघर्ष, दो युवकों पर पिस्टल तानकर हत्या की कोशिश का आरोप



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राजनगर एक्सटेंशन स्थित इअळएंड डहछ रेस्टोरेंट के बाहर 10 नवंबर की रात करीब दो बजे जमकर बवाल हुआ। आरोप है कि दर्जनभर युवकों ने दो युवकों को घेरकर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की। इस दौरान अर्जुन खुटैल और शौर्य नाम के युवकों पर पिस्टल सिर पर लगाकर हत्या की कोशिश करने का गंभीर आरोप लगाया गया है। बताया जा रहा है कि पूरी घटना रेस्टोरेंट के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। घटना के फुटेज सामने आने के बावजूद पीड़ित पक्ष का आरोप है कि अब तक मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस घटना ने राजनगर एक्सटेंशन जैसे रिहायशी इलाके में देर रात की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपों की पुष्टि करते हुए आरोपियों के खिलाफ क्या कार्रवाई करती है।

राशि गुप्ता के शतक से फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की शानदार जीत,बल्लेर क्रिकेट एकेडमी को 89 रन से हराया







कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राशि गुप्ता की शानदार शतकीय पारी की बदौलत फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने बल्लेर क्रिकेट एकेडमी को 89 रन से करारी शिकस्त दी। मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 40 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर 242 रन बनाए। टीम की ओर से राशि गुप्ता ने शानदार 101 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि श्रीहान ओझा ने 72 और दर्श त्यागी ने 13 रन का योगदान दिया।

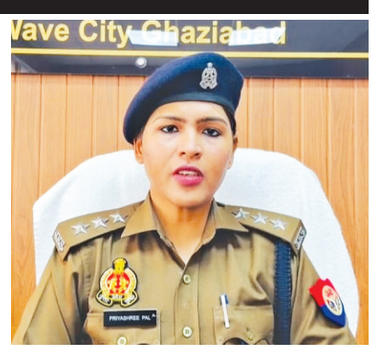
लक्ष्य का पीछा करने उतरी बल्लेर क्रिकेट एकेडमी की टीम फ्रेंड्स क्लब की सटीक गेंदबाजी के सामने 153 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से सिद्धार्थ ने 26 और रिशांत ने 38 रन बनाए। फ्रेंड्स क्लब की ओर से शिवा सहरावत ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके, जबकि सौम्य और दर्श त्यागी ने दो-दो विकेट हासिल किए। शानदार शतक लगाने वाले रशी गुप्ता को प्लेयर ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

9 माह के मासूम की हत्या का आरोप, पिता पर शक; गांव में दफनाया शव





मृतक बच्चे की माँ



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। वेव सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम बयाना में नौ माह के मासूम बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। बच्चे की मां प्रियंका पत्नी अभिषेक ने आरोप लगाया कि उसके पति ने 9 नवंबर की सुबह करीब 7:30 से 10:30 बजे के बीच बच्चे की हत्या कर दी और शव को गांव में ही दफना दिया।

मामले की सूचना करीब दोपहर 3:20 बजे पीआरवी के माध्यम से थाना वेव सिटी पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने 10 नवंबर को दफनाए गए बच्चे के शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शिकायतकर्ता की तहरीर प्राप्त कर ली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

टेलीग्राम पर लेते थे गांजे के ऑर्डर, ई-कॉमर्स की पैकिंग में घर तक पहुंचाते थे नशे की खेप

नोएडा में तीन आरोपी गिरफ्तार, 55 लाख रुपये का गांजा बरामद

कपिल चौहान

नोएडा(वेलकम इंडिया)। नोएडा में पुलिस ने ऑनलाइन गांजा तस्करी के एक नेटवर्क का खुलासा करते हुए आलम खान, वसीम और लक्ष्य राठौर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 55 लाख रुपये कीमत का गांजा बरामद होने की जानकारी सामने आई है। बताया जा रहा है कि आरोपी तस्करी के लिए टेलीग्राम ऐप का इस्तेमाल करते थे। इसी के जरिए ग्राहकों से संपर्क कर गांजे के ऑर्डर लिए जाते थे।

इसके बाद गांजे को फ्लिपकार्ट, अमेजन और मिंत्रा जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों की पैकिंग वाली पन्नियों में छिपाकर पैक किया जाता था। आरोपी ऑनलाइन पार्सल बुक कर ग्राहकों के घर के दरवाजे तक नशीले पदार्थ की डिलीवरी पहुंचाते थे। इस तरीके से वे सामान्य ऑनलाइन खरीदारी के पार्सल की आड़ में गांजे की सप्लाई कर रहे थे। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और तस्करी के पूरे कारोबार की जानकारी जुटा रही है।



नौ माह के मासूम की मौत पर पिता पर हत्या का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र के बयाना गांव में नौ माह के मासूम बच्चे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। बच्चे की मां प्रियंका ने अपने पति अभिषेक पर गला घोंटकर हत्या करने और बाद में मौत को प्राकृतिक बताकर शव दफनाने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं, जिलाधिकारी की अनुमति के बाद मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में बच्चे का शव कब्र से निकलवाकर मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। प्रियंका ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि सोमवार सुबह करीब साढ़े सात बजे वह वेव सिटी में काम पर चली गई थी।

कविनगर में धूमधाम से मनाया गया अन्नकूट महोत्सव, विधायक अजीत पाल त्यागी ने दिया प्रकृति और गोवंश संरक्षण का संदेश



वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय कविनगर गाजियाबाद मे अन्नकूट महोत्सव मनाया गया, मुख्य अतिथि के रूप में पधारे मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने दिया प्रकृति और गोवंश से प्रेम करने का सन्देश। राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुतिश ने कहा कि गोवर्धन पूजा का वास्तविक आध्यात्मिक रहस्य केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि स्वयं परमात्मा (शिव बाबा) के साथ और सहयोग से जीवन के बड़े से बड़े तूफानों को पार करने का एक बेहद सुंदर और गहरा आध्यात्मिक संदेश है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के दृष्टिकोण के अनुसार, गोवर्धन पर्व के पीछे छिपे रहस्य हमारे व्यावहारिक जीवन और आत्म-परिवर्तन से जुड़े हुए हैं।

ब्रह्माकुमारी राजेश ने कहा यह पर्व विश्वास और परमात्मा का साथ (अंगुली पर पर्वत उठाना) से संबंधित है। ब्रह्माकुमारीज के अनुसार, यह पर्व बतलाता है कि जब आत्मा परमात्मा के मददगार बनती है, तो भगवान के साथ और हाथ से बड़े से बड़े संकट रूपी पहाड़ भी बहुत स्थिर रहकर पार किए जा सकते हैं। कलयुग के इस अंतिम समय (संगमयुग) में जब विकारों और परिस्थितियों का मूसलाधार तूफान आता है, तो परमात्मा की छत्रछाया में रहने वाली आत्माएं पूरी तरह सुरक्षित रहती हैं।

ब्रह्माकुमारी सुनीता ने कहा कि यह पर्व एकता और सहयोग (ग्वाल-बालों की लाठियां) का संदेश देता है। श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाया, लेकिन सभी ग्वाल-बालों ने अपनी-अपनी लाठियों का सहयोग दिया। यह इस बात का प्रतीक है कि कलियुगी संसार रूपी पहाड़ को बदलने और सतयुगी नई दुनिया की स्थापना करने के लिए हम सभी आत्माओं को मिलकर अपने तन, मन और पवित्र संकल्पों की 'उंगली' या 'लाठी' लगानी होगी। जब हर एक आत्मा अपना थोड़ा-थोड़ा सहयोग देती है, तो विश्व परिवर्तन का यह भारी कार्य सहज हो जाता है। राजयोगिनी गुंजन ने कहा कि यह पर्व प्रकृति और जीवों के प्रति कृतज्ञता (अन्नकूट का महत्व) का पर्व है। गोवर्धन पूजा प्रकृति के पांचों तत्वों और पशु-पक्षियों के प्रति कृतज्ञता (GrÔtitude) व्यक्त करने का एक पावन पर्व है। मुख्य अतिथि मुरादनगर विधानसभा के



लोकप्रिय विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा यह पर्व सदियों से प्रकृति और गोवंश (पशु) के प्रति निःस्वार्थ भाव से सेवा करने का सकल्प दे रहा हैं। आज के दिन हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम प्रकृति का शोषण नहीं करेंगे, बल्कि अपने शुद्ध और शांतिपूर्ण वाइब्रेशन से प्रकृति के पांचों तत्वों को भी पावन बनाएंगे। भाजपा नेता और राज्य निगरानी समिति सदस्य पंकज शर्मा ने कहा यह पर्व अहंकार का विसर्जन (इंद्र का घमंड टूटना) करने का संदेश देता है। इंद्र देव का अहंकार इस बात का प्रतीक है कि जब मनुष्य में पद, शक्ति या धन का घमंड आ जाता है, तो वह स्वयं को कर्ता समझने लगता है। श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र के अहंकार को तोड़ना यह दशार्ता है कि ईश्वरीय शक्ति और पूर्ण समर्पण के आगे किसी भी प्रकार का देह-अभिमान टिक नहीं सकता। ज्योतिषाचार्य पंडित राकेश शास्त्री जी ने वास्तविक अन्नकूट (56 भोग) का अर्थ बतलाते हुए कहा कि परमात्मा को 56 भोग या अन्नकूट चढ़ाना इस बात का प्रतीक है कि हम अपने जीवन के सभी पुराने संस्कारों, बुराइयों और इच्छाओं को परमात्मा के चरणों में समर्पित कर दें और जीवन में केवल पवित्र और सात्विक विचारों को ही अपनाएं। समाजसेवी विवेक मित्तल सी ए ने कहा गोवर्धन पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में चाहे कितनी भी बड़ी परिस्थिति आए, यदि हमारा निश्चय दृढ़ है और परमात्मा का हाथ व साथ हमारे साथ है, तो हर संकट को टाला जा सकता है। आइए, इस पर्व पर प्रकृति से प्रेम करने, पशुओं के प्रति करुणा रखने और विश्व कल्याण के कार्य में अपना आत्मिक सहयोग देने का दृढ़ संकल्प लें। कार्यक्रम में पधारे समाजसेवी डॉक्टर के पी गुप्ता, श्री रामलीला समिति राजनगर के महामंत्री दीपक मित्तल सी ए, मेवाड़ इंस्टीट्यूट की डायरेक्टर श्रीमती अलका जी,नामित पार्षद परमजीत सिंह पम्मी, पार्षद मिथलेश तितोरिया पूर्व पार्षद राजेंद्र तितोरिया राजनगर आर डब्लू ए के अध्यक्ष दीपक कांत गुप्ता, महामंत्री अनिल गुप्ता, पर्यावरणविद एडवोकेट आकाश वशिष्ठ, राष्ट्रीय क्रिकेट कोच सुरेंद्र सहगल, मंडल अध्यक्ष राजनगर नीरज त्यागी राज नगर मंडल प्रभारी संजयकांत शर्मा सहकारिता समिति के डायरेक्टर हरिकांत शर्मा, समाजसेवी पीयूष सूद ने भी इस अवसर पर सभी को गोवर्धन पर्वत की शुभकामनाएं दी। बी के देवीना, बी के चंचल, बी के शालिनी ने सभी अतिथियों को पुष्प माला, अंग वस्त्र और भगवान शिव के प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन और स्वागत किया, मंच संचालन किसान मोर्चा महानगर उपाध्यक्ष विनीत शर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुकेश कुमार शर्मा, भाजपा नेता अभिजीत मुखर्जी, अजय राघव, जुगनू ठाकुर,प्रदीप भाई, पंकज भाई, चेतन भाई ,विनय भाई, अजय भाई,जे पी राणा, यशराज शर्मा, अनामिका शर्मा,शिवराज शर्मा, आर एन राम जी,डॉ अनिल बैसला, श्रीचंद चौहान, मनोज सिंह,अशोक गोयल, आर सी शर्मा, महेश भाई,मनोज भाई,पंकज भाई, कुमकुम बहन, परमेंद्र त्रिपाठी, रजनी बहन, कमलेश बहन, सुरेश भाई दलजीत भाई आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

डासना गेट पर दुकान में लगी भीषण आग, गैस सिलेंडर निकालकर अग्निशमन कर्मियों ने टाला बड़ा हादसा



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। चौपला मंदिर, डासना गेट के पास मंगलवार देर रात एक दुकान में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर फायर स्टेशन कोतवाली की टीम दो दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंची। दुकान में धोने-पत्तल और अन्य सामान बड़ी मात्रा में रखा था। दुकान में ताला लगा होने के साथ अंदर गैस सिलेंडर भी मौजूद थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अग्निशमन कर्मियों ने दुकान का ताला तुड़वाकर सबसे पहले गैस सिलेंडरों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद होज पाइप की मदद से आग बुझाने का अभियान शुरू किया। अग्निशमन अधिकारी कोतवाली के नेतृत्व में टीम ने कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग आसपास की मिठाई और अन्य दुकानों तक नहीं फैल सकी। इससे बड़ा हादसा टल गया और आसपास की दुकानों व संपत्ति को सुरक्षित बचा लिया गया। मौके पर स्थानीय पुलिस और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। टीम के साहसिक कार्य की लोगों ने सराहना की।

मोदीनगर में तलवार लेकर झगड़े में पहुंचा युवक, मची अफरा-तफरी; वीडियो वायरल



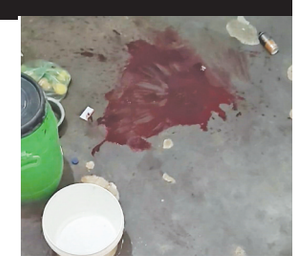
कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मोदीनगर क्षेत्र में आपसी विवाद के दौरान एक युवक के खुलेआम हाथ में तलवार लेकर पहुंचने का मामला सामने आया है। युवक को तलवार लेकर आता देख मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को देखते हुए वहां मौजूद लोगों ने युवक को रोकने का प्रयास किया। घटना के दौरान किसी व्यक्ति ने पूरी वारदात का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोगों ने सार्वजनिक स्थान पर हथियार लेकर पहुंचने की घटना पर चिंता जताते हुए पुलिस से मामले की जांच कर संबंधित युवक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

फेसबुक पर हुई दोस्ती का खूनी अंत, ईंट से वार कर महिला की हत्या







कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की इंद्रापुरी चौकी के अंतर्गत सोमवार को एक महिला की ईंट से वार कर हत्या कर दी गई। सूचना मिलने पर थाना लोनी बॉर्डर पुलिस और उच्चाधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, मृतका पिंकी मूल रूप से बुलंदशहर की रहने वाली थी। उसकी करीब चार-पांच महीने पहले फेसबुक के माध्यम से बुलंदशहर निवासी पिंटू से दोस्ती हुई थी। दोनों के बीच फोन पर बातचीत होती थी। सोमवार को पिंटू महिला से मिलने पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि गुस्से में पिंटू ने पास में रखी ईंट से पिंकी के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोपी पिंटू से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक मामले में आगे की विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

पत्रकारिता पर नया फरमान! क्या अब अस्पतालों में सच दिखाने के लिए भी सरकारी मान्यता जरूरी होगी?

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। बांदा के उटड कार्यालय के एक पत्र ने पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिले के सिर्फ 15 मान्यता प्राप्त पत्रकारों की सूची भेजकर बाकी पत्रकारों के फोटो-वीडियो बनाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

सवाल यह है कि क्या सरकारी मान्यता ही पत्रकारिता का प्रमाणपत्र है? अस्पतालों में अव्यवस्थाएं, मरीजों की परेशानी और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही उजागर करने वाले स्थानीय पत्रकार अब कैमरा उठाने से पहले अनुमति मांगेंगे?

अस्पताल जनता के हैं, किसी विभाग की निजी जागीर नहीं! नियमों की आड़ में पत्रकारिता पर पाबंदी लगाने के बजाय अव्यवस्थाओं पर जवाबदेही तय होनी चाहिए।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, 18 साल से ऊपर के युवाओं को मिलेगा मौका

प्रत्येक बीएलओ को 350 घरों के सत्यापन का लक्ष्य, लापरवाही पर होगी कार्रवाई: जिलाधिकारी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद की मतदाता सूची को शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत बीएलओ घर-घर जाकर परिवारों का सत्यापन करेंगे



और 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाएंगे।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में 865 मतदान केंद्र और 3,073 मतदेय स्थल निर्धारित किए गए हैं। प्रत्येक बीएलओ को 350 घरों के सत्यापन का लक्ष्य दिया गया है। नाम दर्ज कराने के लिए प्रारूप-6 और दूसरे स्थान से नाम स्थानांतरित कराने के लिए प्रारूप-8 भरवाया जाएगा।

उन्होंने उद्यमियों, स्कूल-कॉलेजों, राशन विक्रेताओं और आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों से भी पात्र लोगों के नाम जुड़वाने में सहयोग की अपील की। जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि निर्वाचन कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने नागरिकों से ऑनलाइन पोर्टल और वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से अपना नाम जांचने की अपील की।

लोनी बॉर्डर में ईंट से प्रहार कर महिला की हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

हत्या के मामले में पुलिस ने पिंटू राजपूत और आर्यन कुमार को दबोचा, एससी/एसटी एक्ट में भी मुकदमा दर्ज



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र में ईंट से प्रहार कर महिला की हत्या करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान पिंटू राजपूत पुत्र सुरजीत सिंह निवासी ग्राम शेखपुर गवा, जिला बुलंदशहर और आर्यन कुमार पुत्र फकीरा निवासी ग्राम उजाऊ, थाना अस्थामा, जिला नालंदा (बिहार) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 9 नवंबर 2026 को वादी ने थाना लोनी बॉर्डर में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उक्त दोनों अभियुक्तों ने उसकी साली पर ईंट से हमला कर उसकी हत्या कर दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(श) के तहत मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की थी। पुलिस टीम ने 10 नवंबर को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

कंपैक्ट समाचार के संपादक मनोज शर्मा पर जानलेवा हमला, चेहरे की चार हड्डियां टूटीं

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। कविनगर थाना क्षेत्र के आरडीसी में पत्रकार एवं कंपैक्ट समाचार के संपादक मनोज शर्मा पर 4-5 लोगों ने हमला कर दिया। बताया गया है कि हमलावरों ने ईंट से उनके चेहरे पर वार किया और उन्हें जान से मारने की कोशिश की।

हमले में मनोज शर्मा के चेहरे की चार हड्डियां टूट गई। गंभीर हालत में उन्हें यशोदा अस्पताल, सेक्टर-23 में भर्ती कराया गया है, जहां उनका आईसीयू में इलाज



चल रहा है। उनकी स्थिति गंभीर बनी हुई है।

गाजियाबाद स्टेशन पर टला बड़ा हादसा, RPF इंस्पेक्टर बने मसीहा







कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर रविवार सुबह बड़ा हादसा टल गया। सुबह करीब 11:40 बजे उत्कल एक्सप्रेस (18478) के चलने के दौरान एक यात्री ट्रेन में चढ़ने का प्रयास करते समय प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच फंसकर घिसटने लगा। इसी दौरान गश्त कर रहे RPF पोस्ट गाजियाबाद के इंस्पेक्टर अब्दुल लतीफ ने तत्परता दिखाते हुए दौड़कर यात्री का हाथ पकड़ा और उसे सुरक्षित बाहर खींच लिया। यात्री की जान बचाने के प्रयास में इंस्पेक्टर खुद संतुलन खोकर गिर पड़े, जिससे उनके बाएं पैर में चोट लग गई। घायल यात्री को स्टेशन पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। घटना की प्रत्यक्षदर्शी देहरादून निवासी महिला यात्री ने वीडियो बयान में इंस्पेक्टर की सराहना करते हुए कहा कि वह मसीहा बनकर पहुंचे, अन्यथा बड़ी अनहोनी हो सकती थी। इंस्पेक्टर की सूझबूझ और साहस से एक यात्री की जान बच गई।